राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,09 जनवारी–2023 वर्ष–5,अंक–343 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल का विस्तार, सात विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

शिमला। हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार के मंत्रिमंडल का रविवार को विस्तार किया गया। सात विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। राजभवन में गरिमापूर्ण समारोह में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल विस्तार में शिमला जिले का दबदबा रहा। शिमला जिले से सबसे ज्यादा तीन मंत्री बने हैं। सर्वाधिक 15 सीटों वाले कांगड़ा जिला को एक मंत्री मिला है। सबसे पहले सोलन से विधायक धनीराम शांडिल को शपथ दिलाई गई। उनके बाद ज्वाली के विधायक चन्द्र कुमार, फिर शिलाई के विधायक हर्षवर्धन चौहान, किन्नौर के विधायक जगत सिंह नेगी, जुब्बल कोटखाई के विधायक रोहित ठाकुर, कसुम्पटी के विधायक अनिरुद्ध सिंह और सबसे आखिर में शिमला ग्रामीण के विधायक विक्रमादित्य सिंह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। विक्रमादित्य सिंह पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के पुत्र हैं। हर्षवर्धन और जगत सिंह ने अंग्रेजी, बाकी ने हिंदी में शपथ ली। मंत्रिमंडल विस्तार में वरिष्ठता और अनुभव के साथ युवा चेहरों को तरजीह दी गई है। क्षेत्रीय और जातीय संतुलन को भी साधा गया है। सुक्खू मंत्रिमंडल में 82 वर्षीय धनीराम शांडिल सबसे उम्रदराज और 33 वर्षीय विक्रमादित्य सिंह सबसे युवा मंत्री हैं। धनीराम शांडिल और चन्द्र कुमार को छोड़कर अन्य पांच विधायक पहली बार मंत्री बने हैं। धनीराम शांडिल और चन्द्र कुमार पूर्व वीरभद्र सरकार में मंत्री रहे हैं। सुक्खू मंत्रिमंडल में अधिकतम 10 मंत्री बनाए जा सकते हैं। अभी मंत्रिपरिषद में तीन पद रिक्त हैं। मंत्रिमंडल विस्तार में शिमला संसदीय क्षेत्र से पांच, कांगड़ा और मंडी संसदीय क्षेत्र से एक-एक मंत्री बने हैं। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से कोई भी मंत्री नहीं बनाया गया है। इसकी वजह यह है कि मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री दोनों हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से हैं। प्रदेश में कांग्रेस के सत्तासीन होने के लगभग एक माह बाद मंत्रिमंडल विस्तार किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी 9 जनवरी को करेंगे इंदौर में 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इंदौर में हो रहे 17वें प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन का 09 जनवरी को शुभारंभ करेंगे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 10 जनवरी को इसका समापन करेंगी। पीबीडी में विश्व के हजारों प्रवासी भारतीय शामिल होंगे। तीन दिवसीय सम्मेलन 8 से 10 जनवरी तक होगा। पीबीडी सम्मेलन में संपूर्ण विश्व के प्रवासी भारतीय विभिन्न विषय पर चर्चा करेंगे। प्रवासी भारतीयों को देश और प्रदेश की उपलब्धिओं और क्षमताओं से रूब-रू कराया जायेगा। सांस्कृतिक गतिविधियाँ होगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कर-कमलों से तीन दिवसीय सम्मेलन के समापन पर प्रवासी भारतीयों का सम्मान होगा। जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने शनिवार को बताया कि प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के प्रथम दिवस 8 जनवरी को युवा प्रवासी भारतीय दिवस पर गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली, सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी तथा ऑस्ट्रेलिया की संसद सदस्य जेनेटा मैस्करेनहास शामिल होंगी। पीबीडी में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्र एवं प्रदेश सरकार के मंत्री शामिल होंगे।

युवा प्रवासी भारतीय दिवस

पीबीडी सम्मेलन के प्रथम दिन युवा प्रवासी भारतीय दिवस के कार्यक्रम होंगे, जिसमें मुख्यमंत्री चौहान का संबोधन, सचिव (सीपीवी, ओआईए) विदेश मंत्रालय डॉ. औसाफ सईद का स्वागत भाषण, केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर का उद्बोधन, गेस्ट ऑफ ऑनर संसद सदस्य ऑस्ट्रेलिया जेनेटा मैस्करेनहास का विशेष संबोधन होगा। केन्द्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर संबोधित करेंगे। युवा मामले और खेल सचिव मीता राजीवलोचन आभार व्यक्त करेंगी। पहले दिन केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में प्लेनरी सेशन में नवाचारों और नई प्रौद्योगिकी में प्रवासी युवाओं की भूमिका पर चर्चा होगी। इसके बाद प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं से संबंधित 3 सेक्टर्स, टेक्सटाइल एण्ड गारमेंट्स- वीविंग द ग्रोथ स्टोरी ऑफ एम.पी., सूचना प्रौद्योगिकी और संबद्ध सेक्टर में मध्य प्रदेश में होने वाले

परिवर्तनों की कहानियाँ, हेल्थ केयर एण्ड फार्मास्यूटिकल्स इन्वेस्टमेंट- रिशेपिंग द ग्लोबल हेल्थ वेल्यू चेन पर सत्र होंगे। इसके बाद 3 महत्वपूर्ण सत्र में इन्वेस्ट इन मध्य प्रदेश- द फूड बास्केट, स्टार्टअप ईको सिस्टम-अनलीशिंग द एन्ट्रेप्रेन्योरियल स्ट्रेंथ ऑफ मध्य प्रदेश एवं टूरिज्म अपॉर्चुनिटी इन द हॉर्ट ऑफ इन्क्रेडिबल इण्डिया, विषय पर महत्वपूर्ण चर्चा होंगी। शाम को मध्य प्रदेश की अनूठी सांस्कृतिक विशेषताओं पर आधारित सांस्कृतिक सम्मेलन होंगे।

प्रधानमंत्री 9 जनवरी को करेंगे प्रवासी भारतीय दिवस का उद्घाटन

प्रधानमंत्री मोदी 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में उद्घाटन करेंगे। केन्द्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर स्वागत उद्बोधन देंगे। मुख्यमंत्री चौहान, विशिष्ट अतिथि सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी और मुख्य अतिथि गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली का उद्बोधन होगा। मंचासीन अतिथियों द्वारा विशेष डाक टिकिट सुरक्षित जायें, प्रशिक्षित जायें'' जारी किया जायेगा। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके बाद भारतीय प्रवासी दिवस प्रदर्शनी आजादी का अमृत महोत्सव-भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में प्रवासी भारतीयों का योगदान'' का उद्घाटन होगा। गुयाना के साथ समझौता ज्ञापन एवं समझौतों का आदान-प्रदान होगा। प्रधानमंत्री मोदी की सूरीनाम के राष्ट्रपति चन्द्रिका प्रसाद संतोखी के साथ बैठक होगी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में लंच के बाद अमृत काल में भारतीय हेल्थ केयर ईको सिस्टम को बढ़ावा देने में भारतीय डायस्पोरा की भूमिका- विजन ञ्च 2047'' विषय पर प्लेनरी सेशन होगा। शाम को केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन की अध्यक्षता में भारत की सॉफ्ट पॉवर का लाभ उठाना-शिल्प व्यंजन और रचनात्मकता के माध्यम से सद्भावना'' विषय पर सत्र होगा। इसके बाद सांस्कृतिक सम्मेलन एवं रात्रि भोज होगा।

राष्ट्रपति मुर्मू पीबीडी के समापन सत्र में प्रवासी भारतीयों को सम्मानित करेंगी-पीबीडी के तीसरे दिन 10 जनवरी को प्रथम सत्र में केन्द्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में भारतीय कार्य-बल की वैश्विक गतिशीलता को सक्षम बनाना- भारतीय डायस्पोरा की भूमिका'' विषय पर सत्र होगा। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में राष्ट्र निर्माण के लिये एक समावेशी दृष्टिकोण की दिशा में प्रवासी महिला उद्यमियों की क्षमता का उपयोग करना'' विषय पर विस्तृत चर्चा होगी। राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा भोज का आयोजन किया गया है। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर पहुँचेंगी और सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी एवं गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली से भेंट करेंगी। केन्द्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर स्वागत भाषण देंगे। मुख्यमंत्री चौहान का संबोधन होगा। राष्ट्रपति मुर्मू प्रवासी भारतीयों को पुरस्कार प्रदान करेंगी और सम्मेलन को संबोधित करेंगी। केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ 17वें पीबीडी सम्मेलन का समापन होगा।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष केशरीनाथ त्रिपाठी का निधन

प्रयागराज। पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल, वरिष्ठ भाजपा नेता और उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पंडित केशरीनाथ त्रिपाठी का रविवार सुबह पांच बजे यहां निधन हो गया। उन्होंने अपने आवास पर आखिरी सांस ली। कुछ दिन पहले ही उन्हें सांस में दिक्कत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्वास्थ्य में सुधार होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। स्वजन उन्हें घर ले आए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंडित केशरीनाथ त्रिपाठी के निधन पर गहरा शोक जताया है। केशरीनाथ त्रिपाठी के निधन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा के तमाम बड़े नेताओं ने शोक प्रकट करते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर के जरिए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए लिखा कि वरिष्ठ राजनेता, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल आदरणीय केशरी नाथ त्रिपाठी का निधन अत्यंत दुखद है। प्रभु श्रीराम दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें व शोकाकुल परिजनों को दुख सहने की शक्ति दें। परिवार के मुताबिक शाम 4:00 बजे प्रयागराज के रसूलाबाद घाट पर उनका अंतिम संस्कार होगा। पंडित केसरी नाथ त्रिपाठी अपने पीछे पुत्र अपर महाधिवक्ता

● केशरीनाथ त्रिपाठी के निधन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा के तमाम बड़े नेताओं ने शोक प्रकट करते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

नीरज त्रिपाठी और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। उन्हें आज ही लखनऊ के एसजीपीजीआई में भर्ती कराया जाना था। पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल पंडित केसरीनाथ त्रिपाठी का जन्म 10 नवंबर 1934 को हुआ था। इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ ही पंडित केसरीनाथ त्रिपाठी तीन बार यूपी विधानसभा अध्यक्ष रहे। भारतीय जनता पार्टी के यूपी ईकाई के अध्यक्ष भी रहे। पंडित केसरीनाथ त्रिपाठी 2014 से 2019 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। इस बीच उन्हें बिहार, मेघालय और मिजोरम राज्यों का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया।

एयर इंडिया में पेशाब करने की घटना पर

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिया आश्वासन, कहा- 'मामले की तेजी से होगी कार्रवाई'

ग्वालियर। 26 नवंबर को न्यूयॉर्क-मुम्बई की उड़ान में कथित तौर पर पेशाब करने वाला मामला अब केन्द्रीय मंत्रालय की नजर में आ चुका है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि कथित तौर पर पेशाब करने के मामले में तेजी से कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को 34 वर्षीय आरोपी शंकर मिश्रा को बेंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया है। इस व्यक्ति ने कथित तौर पर एयर इंडिया में 26 नवंबर को फ्लाइट की बिजनेस क्लास में नशे की हालत में एक वरिष्ठ नागरिक महिला पर पेशाब किया था।

मामले की तेजी से होगी कार्रवाई

इस मामले में केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया में कहा है कि चल रही कार्रवाई पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई तेजी से की जाएगी। शंकर मिश्रा ने घटना के लिए शविनार को माफी मांगी है। इसके साथ ही फ्लाइट के चार केब्रिन क्रू सदस्य और एक पायलट को डी-रोस्टर कर दिया गया है साथ ही फ्लाइट में शराब परोसने की नीति की जांच की जा रही है।

● दिल्ली पुलिस ने शनिवार को 34 वर्षीय आरोपी शंकर मिश्रा को बेंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया है। इस व्यक्ति ने कथित तौर पर एयर इंडिया में 26 नवंबर को फ्लाइट की बिजनेस क्लास में नशे की हालत में एक वरिष्ठ नागरिक महिला पर पेशाब किया था।

14 दिन की न्यायिक हिरासत

पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि आरोपी को तकनीकी जांच के जरिए बेगलुरु से पकड़ा गया है। इसके बाद शनिवार को इसे दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया। यहां पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेने के लिए याचिका दाखिल की थी लेकिन कोर्ट ने उसे खारीज करते हुए 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

नौकरी से हुआ बर्खास्त

महिला द्वारा एयर इंडिया को दी गई शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने 4 जनवरी को आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी शंकर मिश्रा को उनकी नौकरी से भी निकाल दिया गया है। आपको बता दें, शंकर मिश्रा भारत में अमेरिकी बहुराष्ट्रीय फर्म 'वेल्स फारगो' के साथ काम कर रहे थे।

त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय में फरवरी में हो सकते हैं चुनाव

त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय में फरवरी में हो सकते हैं चुनाव

नई दिल्ली। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयोग का 16 सदस्यीय दल विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए 11 जनवरी को त्रिपुरा पहुंचेगा। यह टीम नगालैंड और मेघालय जैसे चुनावी राज्यों का भी दौरा करेगी। आयोग फरवरी के दूसरे सप्ताह से पहले इन राज्यों में चुनाव कराने की योजना बना रहा है। त्रिपुरा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी किरण गित्ते ने बताया, आयोग के दल में तीन चुनाव आयुक्त व 13 अन्य अधिकारी शामिल होंगे। 11 जनवरी को आयोग की टीम राजनीतिक दलों, चुनाव अधिकारियों और अन्य के साथ बैठक करेगी। इसके बाद 12 जनवरी को टीम मेघालय रवाना होगी। वहां शिलांग में 13 जनवरी को राजनीतिक दलों व अधिकारियों के साथ बैठक होगी। 14 जनवरी को टीम चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए नगालैंड जाएगी। माना जा रहा है कि दिल्ली लौटकर आयोग त्रिपुरा, मेघालय व नगालैंड के लिए चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा कर सकता है। आयोग फरवरी के दूसरे सप्ताह से पहले इन राज्यों में चुनाव कराने की योजना बना रहा है, क्योंकि 15 फरवरी से सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

त्रिपुरा में मतदान बढ़ाने के लिए 'मिशन-929'

त्रिपुरा में आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने कमर कसी है। मतदान को 90 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के लिए आयोग मिशन-929 पर काम करने जा रहा है। इसके लिए 929 मतदान केंद्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि 2018 के विधानसभा चुनाव में इन बूथों पर 89 प्रतिशत से कम मतदान दर्ज किया गया था। अब मतदान बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान के अलावा, चुनाव अधिकारी वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग व्यक्तियों से मिलेंगे और उनसे वोट डालने की अपील करेंगे।

सेना ने बालाकोट में 2 आतंकवादियों को किया ढेर, राजौरी हमले में थे शामिल

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने आतंकवाद के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए जम्मू-कश्मीर के मेंढर जिला के बालाकोट सेक्टर में शनिवार की शाम दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया। ये दोनों आतंकवादी भी राजौरी जिले का धंगरी में हुए हत्याकांड में शामिल बताए जा रहे हैं। पूरे इलाको को घेर लिया गया और तलाशी अभियान चलाया गया, जो कि खबर लिखे जाने तक जारी है। सुरक्षा बलों ने राजौरी के धंगरी गांव में दो आतंकवादी हमलों में शामिल आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इन हमलों में दो दिनों में बच्चों सहित छह

● पूरे इलाको को घेर लिया गया और तलाशी अभियान चलाया गया, जो कि खबर लिखे जाने तक जारी है। सुरक्षा बलों ने राजौरी के धंगरी गांव में दो आतंकवादी हमलों में शामिल आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इन हमलों में दो दिनों में बच्चों सहित छह नागरिक मारे गए थे।

जैश-ए-मोहम्मद के दो संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा सिर्फ 50 मीटर की दूरी पर किए गए तीन घरों में गोलीबारी की घटना में चार नागरिकों की मौत हो गई थी। इस घटना के अगले दिन एक घर में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस विस्फोट किया गया, जिसमें चार और 16 साल के दो बच्चों की मौत हो गई। रविवार को आतंकी हमले में मरने वालों की संख्या सात हो गई। प्रिंस नाम के एक घायल ने जीएमसी में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह दीपक कुमार का भाई था, जो एक जनवरी को हमले के दिन मारा गया था।

युवक के खुदकुशी करने की सूचना पर दौड़ी पुलिस

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कम से कम 18 कंपनियां वर्तमान में आतंकवाद विरोधी अभियानों में तेजी लाने के लिए राजौरी और पुंछ में तैनात हैं। गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा जम्मू और केंद्र शासित प्रदेश में टारगेट किलिंग में हुई वृद्धि को ध्यान में रखते हुए इनकी तैनाती का निर्णय लिया गया था।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी की एक टीम ने प्रारंभिक जांच के लिए धंगरी गांव का दौरा किया था। इस घटना के बाद घाटी में बड़े पैमाने पर आक्रोश फैल गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हमलावरों के बारे में जानकारी साझा करने वाले को 10 लाख रुपये इनाम देने की घोषणा की है।

जानलेवा बन रही कड़ाके की ठंड ?

गाजियाबाद में हार्ट अटैक से 6 दिन में 7 लोगों की मौत

गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में इन दिनों पड़ रही कड़ाके की ठंड कुछ लोगों के लिए जानलेवा बनती जा रही है। सर्दी बढ़ने के साथ नसों की सिकुड़न लोगों को परेशान कर रही है। गाजियाबाद में ही बीते एक सप्ताह में सात लोगों की हार्ट अटैक से मौत हो चुकी है। लोग जब तक उन्हें सरकारी अस्पताल की इमरजेंसी लेकर पहुंचे, तब तक उनकी सांसें उखड़ चुकी थीं। एक माह के दौरान 55 से ज्यादा लोगों को भर्ती करने की जरूरत पड़ी है। पिछले एक सप्ताह से तापमान 10 डिग्री से कम चल रहा है। ऐसे में सांस और हार्ट की समस्या से ग्रस्त मरीजों को दिक्कत हो रही है। अस्पताल में हर रोज दो से तीन मरीजों को हार्ट अटैक की परेशानी हो रही है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो छह दिन में सात लोगों को हार्ट अटैक से मौत हुई है। इनमें बुजुर्ग लोगों की संख्या ज्यादा रही। जिले में 108 और 102 एंबुलेंस सेवा के प्रोग्राम मैनेजर जयविंदर सिंह ने बताया कि अक्तूबर और नवंबर के अलावा दिसंबर में दिल संबंधी मरीजों को एंबुलेंस के जरिए घर से अस्पताल और अस्पताल से हायर सेंटर पहुंचने के केस ज्यादा मिले।

निजी अस्पतालों में भी मरीज बढ़े

शहर के निजी अस्पतालों में सर्दियों में दिल के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती है। सीनियर फिजिशियन डॉ. वीबी जिंदल ने बताया कि सर्दियों

में उनके पास आने वाले दिल के मरीजों की संख्या में हर साल इजाफा होता है। सर्दियों में धमनियों की संकरा होने के कारण यह परेशानी बढ़ती है। इसलिए खास तौर पर दिल के मरीजों को सर्दी से बचना चाहिए। सीनियर कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ. अभिषेक सिंह बताते हैं कि गर्मियों में जितने मरीज उनके पास आए थे, सर्दियों में उससे कहीं ज्यादा मरीज आ रहे हैं। सर्दियों में दिल के रोगियों में 40 से 50 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। नए मरीजों में 35 से 40 आयु वर्ग के लोग हैं।

सावधानी बरतें-एमएमजी अस्पताल के फिजीशियन डॉ. आरपी सिंह ने बताया कि पारा गिरने के साथ धुंध भी दिल के मरीजों के लिए खतरनाक है। जहरीले तत्व सांस लेने के साथ खून में मिल जाते हैं और रक्त को संक्रमित करते हैं, जिससे दिल संबंधी बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है, जो लोग पहले से दिल की किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, उनके लिए तो यह मौसम और कॉम्बीनेशन घातक साबित हो सकता है। ऐसे में लोगों को ब्लड टेस्ट, लिपिड प्रोफाइल, शुगर, थाइराइड, केएफटी और सुबह के यूरिन की जांच के अलावा ईसीजी, ईको और ट्रेड मील टेस्ट जैसी जांच करवानी चाहिए।

ये हैं शुरुआती लक्षण-तेज चलने पर या सीढ़ियां चढ़ने पर सांस फूलना, एसिडिटी बने रहना और जल्दी थकान हो जाना जैसे इशारे होते हैं। ऐसा महसूस होने पर तुरंत दिल की प्रारंभिक जांच करवानी चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हमारा लोकतंत्र कैसे सुधरे?

(डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। कई देशों में लोकतंत्र खत्म हुआ और तानाशाही आ गई लेकिन भारत का लोकतंत्र जस का तस बना हुआ है लेकिन क्या इस तथ्य से हमें संतुष्ट होकर बैठ जाना चाहिए? नहीं बिल्कुल नहीं। भारतीय लोकतंत्र ब्रिटिश लोकतंत्र की नकल पर घड़ा गया है। लंदन का राजा तो नाम मात्र का होता है लेकिन भारत में पार्टी-नेता सर्वेसर्वा बन जाते हैं। सभी पार्टियां प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों की तरह या तो कुछ व्यक्तियों या कुछ परिवारों की निजी संपत्तियां बन गई हैं। उनमें आंतरिक लोकतंत्र शून्य हो गया है। चुनावों के द्वारा जो सरकारें बनती हैं वे बहुमत का प्रतिनिधित्व क्या करेंगी? उन्हें कुल मतदाताओं के 20 से 30 प्रतिशत वोट भी नहीं मिलते और वे सरकारें बना लेती हैं। हमारी संसद और विधानसभाओं को पक्ष और विपक्ष के दल एक अखाड़े में तब्दील कर डालते हैं। चुनावों में खर्च होनेवाले अरबों-खरबों रु. नेताओं को भ्रष्टाचारी बना डालते हैं। तब क्या किया जाए? पिछले दिनों मैंने इन समस्याओं पर 'आचार्य कृपलानी स्मारक व्याख्यान' दिया था। उसके कुछ बिंदु संक्षेप में देश के सुधिजन के विचारार्थ प्रस्तुत कर रहा हूं। सबसे पहले तो हम चुनाव-प्रणाली ही बंद कर दें। इसकी जगह हर पार्टी को उसकी सदस्य-संख्या के अनुपात में सांसद और विधायक भेजने का अधिकार मिले। इसके कई फायदे होंगे। चुनाव खर्च बंद होगा। भ्रष्टाचार मिटेगा। करोड़ों लोग राजनीतिक रूप से सक्रिय हो जाएंगे। अभी सभी पार्टियों की सदस्य-संख्या 15-16 करोड़ के आस-पास है। फिर वह 60-70 करोड़ तक हो सकती है। इस नई प्रणाली का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि जो भी सरकार बनेगी उसमें सभी दलों को प्रतिनिधित्व मिल जाएगा। वह सरकार राष्ट्रीय सरकार होगी दलीय नहीं जैसी कि आजादी के तुरंत बाद बनी थी। इस क्रांतिकारी प्रणाली की कई कमियों को कैसे दूर किया जा सकेगा यह विषय भी विचारणीय है। जब तक यह नई प्रणाली शुरु नहीं होती है हमारी वर्तमान प्रणाली में भी कई सुधार किए जा सकते हैं। सबसे पहला सुधार तो यही है कि जब तक किसी उम्मीदवार को 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट नहीं मिलें उसे चुना नहीं जाए। इसी प्रकार चुने हुए सांसदों की सरकार सचमुच बहुमत की सरकार होगी। उम्मीदवारों की उम्र 25 साल से बढ़ाकर 40 साल की जाए और 50 साल के होने पर ही उन्हें मंत्री बनाया जाए। संसद सदस्यों की संख्या 1 हजार से डेढ़ हजार तक बढ़ाई जाए। सभी जन-प्रतिनिधियों की आय और निजी संपत्तियों का ब्यौरा हर साल सार्वजनिक किया जाए। देश में 'रेफरेन्डम' और 'रिकाल' की व्यवस्था भी लागू की जानी चाहिए। सारे कानून राजभाषा में बनें और सभी अदालतें अपने फैसले स्वभाषाओं में दें। सांसदों और विधायकों की पेंशन खत्म की जाए। उनके अफसरों और मंत्रियों के खर्चों पर रोक लगाई जाए।

पर्यावरण विरोधी विकास से उपजी एक शहर की त्रासदी

हकीकत में इसके पीछे तपोवन विष्णुगाड पनबिजली परियोजना के लिए एनटीपीसी द्वारा बनायी गयी वह सुरंग है जिसने जोशीमठ की जमीन को भीतर से पूरी तरह खोखला कर दिया है। साथ ही बाइपास हेतु बन रही सड़क के लिये जोशीमठ के नीचे जड़ तक जो खुदाई की गयी है, उसने पूरे जोशीमठ शहर को बिलकुल नीचे तक हिलाकर रख दिया है। इसके चलते हुए भूधंसाव से त्रस्त जोशीमठ की जनता आंदोलन के लिए मजबूर है। वे लोग इस भीषण सर्दी के मौसम में दरारों से पटे घरों में बल्लियों के सहारे अपने घर को टिकाये रखने और कोई अन्य ठिकाना न होने के कारण उसी हालत में घरों में रहने को मजबूर हैं, जो कभी भी जरा-सी जमीनी हलचल होने से ढह सकते हैं।

ज्ञानेन्द्र रावत

आज उत्तराखंड के ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व वाले जोशीमठ शहर के लोग अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं। इसका अहम कारण विष्णुगाड पन बिजली परियोजना है, जिसके चलते यहां के लोग जिंदगी और मौत के साये में जीने को मजबूर हैं। हकीकत में इसके पीछे तपोवन विष्णुगाड पनबिजली परियोजना के लिए एनटीपीसी द्वारा बनायी गयी वह सुरंग है जिसने जोशीमठ की जमीन को भीतर से पूरी तरह खोखला कर दिया है। साथ ही बाइपास हेतु बन रही सड़क के लिये जोशीमठ के नीचे जड़ तक जो खुदाई की गयी है, उसने पूरे जोशीमठ शहर को बिलकुल नीचे तक हिलाकर रख दिया है। इसके चलते हुए भूधंसाव से त्रस्त जोशीमठ की जनता आंदोलन के लिए मजबूर है। वे लोग इस भीषण सर्दी के मौसम में दरारों से पटे घरों में बल्लियों के सहारे अपने घर को टिकाये रखने और कोई अन्य ठिकाना न होने के कारण उसी हालत में घरों में रहने को मजबूर हैं, जो कभी भी जरा-सी जमीनी हलचल होने से ढह सकते हैं। जिनके घर बुरी तरह दरारों से पटे हैं, वे सालों की मेहनत से बनाये घरों से उजड़ कर सड़क पर आने की स्थिति में आ गये हैं। दरअसल, यह तादाद दिन-ब-दिन तेजी से बढ़ती ही जा रही है। ऐसा भी नहीं कि भूधंसाव की आशंका से सरकारी भवन, स्कूल, अस्पताल, सड़कें, मंदिर, सेना के भवन आदि अछूते हों, वे भी इसकी जद में हैं। अब तो हाल ही में सिंहद्वार वार्ड के कुछ और मकान भी इसकी चपेट में आ गये हैं। यही नहीं, इस इलाके की कुछ जगहों पर नीचे से पानी निकलना भी शुरू हो चुका है। उस हालत में प्रशासन की उदासीनता समझ से परे है। दरअसल, इस बाबत सरकारी रवैये और प्रशासनिक अधिकारियों की संवेदनहीनता और उदासीनता के खिलाफ जोशीमठ की हजारों की तादाद में जनता ने बीती 24 दिसम्बर को सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन किया था। उन्होंने अपने पुनर्वास की मांग की थी। हालात की भयावहता का जीता-जागता सबूत यह है कि भूस्खलन, भूक्षरण, भूधंसाव के चलते नगरपालिका द्वारा किये गये सर्वे के मुताबिक तकरीब 3000 से ज्यादा मकान चिन्हित किये गये हैं, जो कभी भी भूकंप आदि आपदा के आने पर जमींदोज हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में यहां के लोगों के सामने सिर छिपाने के लिए छत की जरूरत होगी। इसी बात की चिंता यहां के लोगों को दिन-रात सता रही है। जोशीमठ में हालात इतने खराब हैं कि यहां इन घरों के अलावा शहर के कुछ होटल भी भूधंसाव के चलते गिरने के कगार पर हैं। जबकि यहां के तकरीब 600 मकानों में तो इतनी गहरी दरारें आ चुकी हैं जिसकी वजह से यहां के लोग डर के मारे सारी रात चैन से सो भी नहीं पा रहे हैं। ये मकान कभी भी धराशायी होकर मलबे में बदल सकते हैं। इसी भय से लोग सारी रात जागकर काटने को मजबूर हैं। नतीजतन लोग भयग्रस्त हैं और आंदोलन पर उतारू हैं। वे आशंकित हैं कि इस भूकंपीय जोन में आपदा की स्थिति में उनका क्या होगा। उनका पुरसाहाल कौन होगा। कहां जायेंगे वे लोग। दुख इस बात का है कि इस बाबत स्थानीय लोगों के बार-बार अनुरोध के बावजूद सरकार और प्रशासन मौन हैं। जबकि यहां पुनर्वास और राहत की तत्काल बेहद जरूरत है अन्यथा स्थिति और भयावह हो जायेगी। आपदा की स्थिति में जन-धन की जो हानि होगी, उसकी कल्पना से ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उस दशा में सैकड़ों गांवों का अस्तित्व प्रभावित होगा। दरअसल, 25-30 हजार की आबादी वाला जोशीमठ आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार धार्मिक पीठों में से एक है। शंकराचार्य की गद्दी होने के कारण यहीं से बदरीनाथ यात्रा की सारी औपचारिकताएं पूरी होती हैं। हेमकुंड साहिब की यात्रा भी यहीं से नियंत्रित होती है। फूलों की घाटी और नंदादेवी वायोस्फीयर रिजर्व बेस भी यहीं हैं और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि यहीं से नीती-माल दर्जे व वाडा होती पठार पर चीनी घुसपैठ पर नजर रखी जाती है। यहां गढ़वाल स्काउट्स, 9 माउंटेन ब्रिगेड का मुख्यालय, माउण्टेनिंग ट्रेनिंग सेंटर, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की बटालियन और सेना की ब्रिगेड का मुख्यालय भी है। इसलिए सामरिक नजरिये से जोशीमठ काफी महत्वपूर्ण और संवेदनशील है। इस दृष्टि से जोशीमठ की रक्षा का सवाल काफी अहम है, जिसे टाला नहीं जा सकता। निःसंदेह इसकी उपेक्षा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जा सकती वह चाहे स्थानीय प्रशासन की ओर से हो या सरकार के स्तर पर। देखा जाये तो 1975 के आसपास जोशीमठ एक छोटा-सा कस्बा होता था जो आज 25-30 हजार आबादी वाला एक शहर हो गया है। इस बारे में भूगर्भ विज्ञानी और उत्तराखंड अंतरिक्ष विज्ञान केन्द्र के निदेशक प्रो. एमपीएस बिष्ट का कहना है कि 1985 से ही चेताया जा रहा है कि यहां पर भवन निर्माण और बसावट का एक मानक होना चाहिए, लेकिन उसकी पूरी तरह से अनदेखी की गयी, उसी का दुष्परिणाम आज हमारे सामने है। भावी खतरे और सरकारी कर्मचारियों-अधिकारियों द्वारा बरती जा रही उदासीनता को देखते हुए स्थानीय लोगों में काफी रोष व्याप्त है। वे आंदोलन के लिए कमर कस चुके हैं और इसका संकेत उन्होंने जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति के नेताओं को भी दे दिया है। स्थानीय जनता का मानना है कि अब बहुत हो चुका। अब आंदोलन के सिवाय कोई रास्ता नहीं बचा है। सरकार ने हमें ऐसा करने के लिए मजबूर कर दिया है। लोग पिछले एक साल से भी ज्यादा समय से भूस्खलन और भूधंसाव की चपेट में हैं और इस बाबत अधिकारियों से कार्रवाई की मांग करते-करते थक चुके हैं। बदरीनाथ के विधायक राजेन्द्र भंडारी की चिंता का सबब भी यही है। संघर्ष समिति के संयोजक अतुल सती, जोशीमठ नगरपालिका अध्यक्ष शैलेंद्र पंवार व समिति सचिव कमल रतूड़ी ने विगत दिनों गोपेश्वर में संवाददाताओं से कहा कि जिला प्रशासन ऊपर के आदेशों की प्रतीक्षा कर रहा है। समझ नहीं आ रहा कि क्या प्रशासन उस समय के इंतजार में है जब आपदा आये। उस स्थिति में वह हरकत में आयेगा और तब राहत कार्य के नाम पर बंदरबांट होगी। असलियत में देश की यही विडम्बना है। कहा जा रहा है कि यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक कि जोशीमठ की जनता को न्याय नहीं मिल जाता और प्रभावित लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था नहीं हो जाती।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद् हैं।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

सांसद प्रज्ञा पर 103 पूर्व नौकरशाहों की कार्यवाही की मांग

(लेखक - सनत जैन)

भोपाल की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर के चाकू वाले बयान को लेकर देशभर में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। देश के 103 पूर्व नौकरशाहों ने सांसद प्रज्ञा के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। पूर्व नौकरशाहों ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में आचार समिति से सांसद प्रज्ञा ठाकुर पर कार्रवाई की मांग की है। सांसद प्रज्ञा ठाकुर कर्नाटक के शिवमोगा में आयोजित हिंदू जागरण वेदिके के वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुई थी। इस सम्मेलन में उन्होंने हिंदुओं को अपने घरों में चाकू की धार लगाकर रखनेगैर हिंदुओं से नहीं डरने आत्मरक्षा की बात कहते हुए उन्होंने गैर हिंदुओं के हमलों का जवाब देने की बात कही। उन्होंने चाकुओं की तेज धार लगाकर अपने घर में रखकर गैर हिंदुओं के हमलों का हिंसक तरीके से जवाब देने के लिए प्रेरित किया। हिंदू जागरण के इस मंच से उन्होंने मुस्लिमों का नाम जरूर नहीं लिया। लेकिन सांसद बनी साध्वी हिंदुओं के मंच से हमेशा मुस्लिमों को अपना निशाना बनाती रही हैं निश्चित रूप से उनका इशारा मुस्लिमों और ईसाइयों के ऊपर रहता है। वह भी कर्नाटक में जहां पर अभी भी हिजाब और कर्नाटक के धार्मिक स्थलों को लेकर धार्मिक भावनाएं भड़काने का काम जोरों पर चल रहा है। साध्वी प्रज्ञा भारती अभी जमानत पर चल रही हैं। जोशी हत्याकांड में उनकी बाइक घटनास्थल पर जली हुई मिली थी। पिछले कई वर्षों से उनके ऊपर मुकदमा चल रहा है। कई वर्षों वह जेल में रही हैं। शारीरिक अक्षमता और प्रताड़ना के कारण वह जमानत पर चल रही हैं। अभी सांसद जैसे महत्वपूर्ण पद पर निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। भोपाल संसदीय क्षेत्र से उन्होंने एक लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज कराई थी। उसके बाद भी उनके द्वारा समय-समय पर जो विवादित बयान दिए जाते हैं। उससे सामाजिक अलगाव की घटनाएं हिंसक वारदातें समय-समय पर होती रही हैं। उन्होंने महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे के पक्ष में भी बयान दिए थे। तब प्रधानमंत्री ने कहा था साध्वी प्रज्ञा भारती का बयान स्वीकार नहीं है। उनके इस बयान के लिए वह उन्हें माफ नहीं करेंगे उपयुक्त कार्रवाई करेंगे। लेकिन आज तक प्रज्ञा भारती पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। जो लोग संघ की विचारधारा और विभिन्न संगठनों से जुड़े होते हैं। जो संघ के अनुवांशिक संगठन के रूप में पहचाने जाते हैं। वह एक ही समय पर अलग-अलग बातें कहते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा उनके बयानों पर मौन साध लेती है। बयान देने वाले के व्यक्तिगत कथन बताकरउनसे बचने का प्रयास करती है। लेकिन पिछले कई वर्षों में अब यह नूरा कुश्ती सभी को समझ में आने लगी है। जिस तरह की धार्मिक भावनाएं प्रत्येक राज्य में भड़काई जा रही हैं। उसमें बहुसंख्यक हिंदू अब अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ अलगाव की दिशा में आगे बढ़ चले हैं। यह आग अब आदिवासी और गैर आदिवासियों के बीच में भी अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ भड़काई जाने लगी है। झारखंड और छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर हिंदुओं को हिंदुओं से लड़ाने की एक नई वृत्ति धार्मिक एवं सामाजिक समुदाय के आधार पर शुरू हो गई है। आदिवासियों को कई समुदायों में बांट कर आदिवासियों के खिलाफ आदिवासियों को ही खड़ा करके लड़ाई शुरू हो गई है। झारखंड में हिंदू जैन तीर्थ स्थल सम्मेद शिखर पर भी सुनियोजित तरीके से विवाद पैदा कर दिया गया है। जैन धर्म की आस्थाओं से आदिवासियों को लड़ाने की नई साजिश शुरू हो गई है। जैन तीर्थ क्षेत्र में आदिवासियों का प्रतिनिधित्व सरकार द्वारा देकर दोनों समुदायों के बीच अलगाव पैदा करने की कोशिश शुरू हो गई है। बहुसंख्यक हिंदूअल्पसंख्यक हिंदुओं के बीच विभाजन पैदा करके उन्हें वोट बैंक में बांटने की राजनीति कर रहे हैं। जिससे लोगों की यह धारणा बनने लगी है कि संघ और उसके अनुवांशिक संगठन और उससे जुड़े हुए लोगअब हिंदुओं को हिंदुओं से लड़ाने की नई राजनीति देश में शुरू हो गई है। जिसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देश भर में सभी समाजों के बीच में होने लगी है। पहले धर्म के आधार पर बांटाअब जाति समुदाय के आधार पर बांटने एक ही परिवार को परिवार में बांटने की नई राजनीतिक साजिश की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देशभर में देखने को मिल रही है। सांसद जैसे संवैधानिक पद पर रहते हुए इस तरीके के बयान पर लोकसभा अध्यक्ष या भारतीय जनता पार्टी क्या कार्यवाही करती है। इस पर सभी की निगाहें टिक गई है। बांटो और राज करो काजो सपना अंग्रेजों ने देखा था। भारत में बांटने का जो काम अंग्रेज नहीं कर सके थे। अब अपनी ही सरकार सभी को बांटने की दिशा में सरकारें आगे बढ़ रही हैं। यहलोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे अधिक चिंता का विषय है।

विचार मंथन

खोद रहे पहाड़ न निकली चुहिया

(जोशीमठ के सम्बन्ध में/ लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

हमारे प्रधान मंत्री श्री मोदी जी को काम अधिक और समय कम हैं उसका कारण भविष्य में देश का नाम नरेंद्र बनाना हैं। कारण भारत के ऊपर कई दावेदार हैं। खास तौर पर पडोसी चीन पाकिस्तान श्री लंका नेपाल भूटान बांग्ला देश मालद्वीप की निगाहें भारत पर हैं पर देश का नाम नरेंद्र होने से कोई उस देश की तरफ निगाह उठाकर देख नहीं पायेगा। वास्तव में मोदी जी को बहुत काम करना हैं इतने शिलालेख थोप दिये जाएंगे की आने वाली पीढ़ी को नरेंद्र मोदी का नाम याद रहेगा। नए इतिहासकारों ने अपनी पूरी तैयारी कर ली हैं। मीडिया ने पूरा सहयोग दिया हैं और देंगी। ऐसा कौन सा स्थान नहीं हैं जहाँ नरेंद्र मोदी का नाम न लिखा हो। सड़कें प्रधान मंत्री आवास जलनल मल योजना रेल हवाई अड्डे समुद्र आकाश आदि ऐसा कोई क्षेत्र नहीं हैं जहाँ उनके चरण न पड़े हो। क्यों ना प्रधान मंत्री जो ठहरे रुकना मौत हैं चलते ही जाना हैं। प्रधान मंत्री जी के शब्दकोश असंभव शब्द नहीं हैं। उन्होंने नवीनीकरण हेतु अविस्मरणीय कार्य किये उन्हें प्रकृति प्रेम हैं तो उन्होंने कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक और मध्य क्षेत्र तक को अपने कदमों के निशाँ से वंचित नहीं किया। इससे विकास बहुत हुआ और उससे अधिक विनाश की संभावना बन चुकी जिसका तत्काल में एक उदहारण जोशीमठ का हैं। प्रधान मंत्री ने उत्तराखंड के चारो धामों को पूरे वर्ष पर्यटन के लिए सड़क मार्ग से जोड़ा। उसी पर्वत पर अनेकों परियोजनाएं चल रही हैं। इसके साथ एक तरफ पूरा पहाड़ हैं और दूसरी तरफ गहरायी में गंगा नदी बह रही हैं। उसी तरफ लोगो ने होटल्स घर आदि बनाये हैं। और विकास के लिए जोशीमठ के नीचे से 12 किलोमीटर सुरंग बिछाकर जोशीमठ की धरा को खोखला कर दिया और मुख्य मंत्री ने कलेक्टर संभागायुक्त और अन्य जिम्मेदार अफसरों को जोशीमठ खाली कारकर अन्य स्थल पर विस्थापित करे। प्रधान मंत्री मुख्य मंत्री का इतना सहज में बोलना पीड़ितों को कितना कष्टकारी होगा। जब प्रधान मंत्री मुख्य मंत्री को मनचाही कुर्सी नहीं मिलती तब कितना कष्ट होता हैं तब उन नगरवासियों को विस्थापन के लिए जगह देना कितना आसान हैं। क्या इस विषय पर अन्य लोगों ने कई आपत्तियां लगाई थी उन्हें नजरअंदाज किया गया और अब रोना रो रहे हैं। घर दूकान तिनका तिनका जोड़ कर बनाया जाता हैं उसे उजाड़ना बहुत सरल हैं विकास के नाम पर। मई 2022 में लेखक ने वहां यात्रा की थी उस समय विश्व प्रसिद्ध नरसिंह मंदिर शंकराचार्य जी का मठ के दर्शन किये थे। इसके अलावा ओली भृमण किया था।

देहरादून से लगातार बद्रीनाथ मंदिर के बीच में इतना विकास हुआ। वहां फोर लेन सड़क मार्ग बड़ी बड़ी परियोजनाए। मकान होटल्स मिलिट्री एरिया आदि बहुत अच्छे बने हैं और निरन्तर निर्माण कार्य चालू हैं। बहुत अच्छा लगता हैं पर किस के आधार पर विकास या विनाश। केंद्र और राज्य सरकार सिर्फ पर्यटन विकास के नाम पर प्रकृति का जितना अधिक दोहन कर रही हैं वह चिंतनीय हैं। इसके पहले टिहरी बांध का विरोध किया गया था चिपको आंदोलन हुआ पर सरकारों की हठधर्मिता के कारण प्रकृति का कितना नुकसान हुआ इसका अंदाज़ा नेताओं और शासको को थोड़ी पता रहता हैं। . घटना के पहले चेताया जाता हैं तो उसे दरकिनार किया जाता हैं दुर्घटना होने पर क्षतिपूर्ति देकर इतिश्री कर दी जाती हैं।

नेताओं और मंत्रियों का निजी धन और निजी नुक्सान हो तो पीड़ा समाज में आती हैं। पर इन मोटी चमड़ी वालों मात्र कमीशन के पीछे कुछ नहीं दिखाई देता हैं। जो स्थान 4 से 6 माह बंद रहता हैं उनमे क्यों यातायात करना। मंत्री मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री हवाई जहाज से गए और आ गए उनकी सुविधाओं में कमी नहीं होना। यहाँ जनता उनकी नजर में मतदाता हैं मरेंगे तो नए जुड़ेंगे उनकी सत्ता रहनी चाहिए। उत्तराखंड की सुंदरता को श्री विहीन कर दिया गया और लगातार किया जा रहा हैं। पुरानी धार्मिक विरासत को कहाँ से लाएंगे। कोरे भाषणों से और तर्कों से भरपाई किया जाना संभव नहीं हैं। अब केंद्र सरकार राजपत्र में भारत का नया नाम नरेंद्र मोदी करने जा रहे इसका इंतज़ार हैं। भारत देश का नाम नरेंद्र मोदी ही होगा भविष्य में।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में ऐपल ने रिटेल स्टोर के लिए भर्ती शुरू की

मुंबई । भारत में ऐपल ने रिटेल स्टोर के लिए कर्मचारियों की भर्ती प्रे क्रिया प्रारंभ कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के करियर पेज में भारत में कामगारों के लिए कई अवसरों की सूची है जिसमें बिजनेस एक्सपर्ट 'जीनियस' ऑपरेशंस एक्सपर्ट और टेक्नीकल स्पेशिलिस्ट शामिल हैं। हाल ही में मुंबई और नई दिल्ली जैसे देश के भीतर विभिन्न स्थानों के लिए कुछ रिटेल जॉब रोल भी पोस्ट किए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने लंबे समय से भारत में फिजिकल रिटेल प्लेस स्थापित करने की योजना बना रही है जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन बाजारों में से एक है जबकि कंपनी ने 2020 में सीधे ऑनलाइन सेल शुरू की थी। ऐपल ने इस खबर पर अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। इससे पहले ऐपल इंक ने भारत में अपने उत्पादन में विविधता लाने के लिए आईफोन की नई सीरीज 14 का उत्पादन भारत में शुरू करने की घोषणा की थी। चेन्नई में फॉक्सकॉन यूनिट ने पिछले साल सितंबर में घरेलू भारतीय बाजार के लिए आईफोन 14 सीरीज के स्मार्टफोन को असेंबल करना शुरू कर दिया है। वर्तमान में फॉक्सकॉन के साथ साझेदारी में भारत में बने 80 फीसदी से अधिक आईफोन घरेलू मांग को पूरा करते हैं।

प्रतिकूल कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर धकेल सकते हैं: वर्ल्ड बैंक

- आर्थिक रूप से कमजोर देशों पर मंदी का ज्यादा असर देखने को मिलेगा

नई दिल्ली । दुनियाभर में बढ़ती महंगाई और इस पर रोक लगाने के लिए ब्याज दरों में लगातार बढ़ोतरी होने से कई देशों में आर्थिक हालात खराब हो रहे हैं और वैश्विक आर्थिक मंदी का खतरा मंडराने लगा है। कई प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और बड़ी संस्थाएं दुनिया में मंदी की आशंका जता चुके हैं। अब वर्ल्ड बैंक ने भी इस पर चिंता जताई है और कहा कि कुछ प्रतिकूल कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर धकेल सकते हैं। विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर देशों पर इसका ज्यादा असर देखने को मिलेगा। हाल ही में जारी होने वाली द्वि-वार्षिक वैश्विक आर्थिक संभावनाएं रिपोर्ट में विश्व बैंक ने यह चेतावनी दी है। विश्व बैंक ने कहा कि इस साल वैश्विक विकास में तेजी से गिरावट आने की उम्मीद है क्योंकि बढ़ती महंगाई बिगड़ती वित्तीय स्थिति और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के कारण दुनियाभर के सेंट्रल बैंक सख्त मौद्रिक नीतियां अपना रहे हैं और इसका असर इकोनॉमी पर देखने को मिल रहा है। उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में इस तरह की मंदी के साथ-साथ ऋण संकट के जोखिम को कम करने के लिए तत्काल वैश्विक और राष्ट्रीय प्रयासों को तेज करने की आवश्यकता है जहां निवेश वृद्धि पिछले दो दशकों के औसत से नीचे रहने की उम्मीद है। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने 2023 की शुरुआत चेतावनी देते हुए कहा था कि दुनिया एक मुश्किल वर्ष का सामना कर रही है पिछले साल की तुलना में यह ज्यादा कठिन है। वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक तिहाई हिस्सा मंदी की चपेट में होगा क्योंकि अमेरिका यूरोपीय संघ और चीन की इकोनॉमी में धीमापन देखने को मिल रहा है और दुनिया की ये 3 बड़ी अर्थव्यवस्थाएं आने वाले समय में मुश्किल खड़ी कर सकती हैं। आईएमएफ चीफ जॉर्जीवा ने कहा कि 40 वर्षों में पहली बार 2022 में चीन की ग्रोथ रेट वैश्विक वृद्धि के बराबर या उससे कम रहने की संभावना है। वहीं आने वाले महीनों में कोरोना वायरस संक्रमणों का एक दौर चीन की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।

टोरंटो में इंटरनेशनल मोटरसाइकिल शो में पहुंचे लोग।

उत्पादन कम होने से बढ सकती है चीनी की कीमत

- विपणन सत्र 2022 23 में 3.45 करोड़ टन रह सकता है देश का चीनी उत्पादन

नई दिल्ली । भारत दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक और चीनी का उपभोक्ता होने के साथ साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक भी है। चीनी उद्योग के निकाय अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) के अनुसार विपणन सत्र 2022 23 में देश का चीनी उत्पादन 3.45 करोड़ टन रह सकता है जो एक साल पहले की तुलना में 3.63 प्रतिशत कम है। भारत में चीनी का उत्पादन विपणन सत्र 2021 22 के दौरान 3.58 करोड़ टन रहा था। चीनी का विपणन सत्र अक्टूबर सितंबर महीने का होता है। एआईएसटीए ने मौजूदा सत्र के अपने पहले अनुमान में कहा है कि उत्पादन में गिरावट का अनुमान होने से निर्यात भी घटकर लगभग 70 लाख टन रह सकता है। पिछले सत्र 2021 22 में देश से 1.12 करोड़ टन चीनी का निर्यात हुआ था। वर्ष 2022 23 सत्र के दौरान भारतीय चीनी उत्पादन करीब तीन करोड़ 45 लाख टन रहने का अनुमान है। महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 2022 23 सत्र में 1.24 करोड़ टन होने का अनुमान है जो पिछले सत्र के 1.37 करोड़ टन से कम है। इसका कारण गन्ने की पैदावार 9 10 टन प्रति हेक्टेयर कम होने का अनुमान है। इसी तरह कर्नाटक में चीनी उत्पादन पहले के 62 लाख टन के मुकाबले कम होकर 57 लाख टन रहने का अनुमान है। इसकी वजह यह है कि राज्य में कई मिलों ने इथेनॉल उत्पादन के लिए अतिरिक्त या नई डिस्टिलरी लगाई हैं और इससे चीनी उत्पादन के अंतिम आंकड़ों पर असर पड़ेगा। हालांकि उत्तर प्रदेश में चीनी उत्पादन वर्ष 2022 23 सत्र में पिछले सत्र के 1.02 करोड़ टन की तुलना में थोड़ा अधिक बढ़कर 1.05 करोड़ टन होने का अनुमान है।

टॉप 10 में से 8 कंपनियों को हुआ एक लाख करोड़ का नुकसान

इन्फोसिस टीसीएस एचडीएफसी बैंक हिंदुस्तान यूनिलीवर व जीवन बीमा निगम के शेयर्स में आई गिरावट

नई दिल्ली । (एजेंसी)

टॉप 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 106991.42 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) तथा एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 940.37 अंक या 1.55 प्रतिशत के नुकसान में रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर और जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को छोड़कर अन्य कंपनियों का बाजार मूल्यांकन बीते सप्ताह घट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 25185.37 करोड़ रुपए घटकर 609687.79 करोड़ रुपए रह गया। सबसे अधिक नुकसान इन्फोसिस को ही हुआ। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 18375.41 करोड़ रुपए के नुकसान से 889130 करोड़ रुपए पर आ गया। टीसीएस की बाजार हैसियत 17289.02 करोड़ रुपए घटकर 1175287.30 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक की 14447.69 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 607140.65 करोड़ रुपए रह गई। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 11245.01 करोड़ रुपए घटकर 536012.18 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी की बाजार हैसियत 7419.45 करोड़ रुपए घटकर 474018.02 करोड़ रुपए रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 7408.2 करोड़ रुपए टूटकर 1716571.25 करोड़ रुपए रह गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत में 5621.27 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 443356.45 करोड़ रुपए रह गया।

इस रुख के उलट एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 14105.09 करोड़ रुपए के उछाल से 447114.09 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 4053.05 करोड़ रुपए चढ़कर 605489.67 करोड़ रुपए रहा।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस एचडीएफसी बैंक इन्फोसिस आईसीआईसीआई बैंक हिंदुस्तान यूनिलीवर एसबीआई एचडीएफसी एलआईसी और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

यूपीएल के शेयरों ने अपने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया

नई दिल्ली । दुनिया की 5 सबसे बड़ी एग्रोकेमिकल कंपनियों में शामिल यूपीएल के शेयरों ने लंबी अवधि में अपने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। कंपनी ने सिर्फ 32 हजार के निवेश पर निवेशकों को करोड़पति बना दिया है। जानकारों के मुताबिकइसमें आगे भी तेजी के रुझान दिखाई दे रहे हैं। हालांकि इसके शेयर पिछले एक माह में करीब 8 फीसदी कमजोर हुए हैं। घरेलू ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि सिर्फ एक हफ्ते से लेकर एक महीने की अवधि में ही यूपीएल से 7 फीसदी से ज्यादा का मुनाफा कमाया जा सकता है। यूपीएल के शेयर शुक्रवार 6 जनवरी 2022 को 718.65 रुपये के भाव पर बंद हुआ। इसका मार्केट कैप 54908.13 करोड़ रुपये का है। एग्रोकेमिकल कंपनी यूपीएल लंबी अवधि में निवेशकों के लिए मल्टीबैगर साबित हुई है। 21 साल पहले 11 जनवरी 2001 को इसके शेयरों की प्रभावी कीमत सिर्फ 2.29 रुपये थी जो अब 59788 फीसदी बढ़कर 718.65 रुपये हो गई है। यानी उस समय अगर किसी निवेशक ने इस कंपनी में 32 हजार रुपये लगाकर निवेश को बनाए रखा होता तब आज वह करोड़पति होता।

आईटी कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी बाजार की दिशा

घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन पर करेगा निर्भर

नयी दिल्ली । (एजेंसी)

आईटी कंपनियों के तिमाही नतीजों से बाजार की दिशा तय होगी। स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों से तय होगी। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बाजार को दिशा देंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक रुझान रुपए का उतार-चढ़ाव ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और विदेशी कोषों का रुख भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा कि इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक आंकड़े आने हैं। 12 जनवरी को आईआईपी और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई के आंकड़े आएंगे। उसी दिन चीन और अमेरिका भी अपने मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी करेंगे। मीणा ने कहा कि तिमाही नतीजों के सीजन की शुरुआत आईटी कंपनियों के साथ होगी। सप्ताह के दौरान टीसीएस इन्फोसिस और एचसीएल टेक अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 940.37 या 1.55 प्रतिशत के नुकसान में रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 245.85 अंक या 1.36 प्रतिशत टूटा। जूलियर बेयर इंडिया के कार्यकारी निदेशक मिलिंद एम ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों की नए साल में शुरुआत सतर्क रुख के साथ हुई। बाजारों में वहीं रुख दिखा जो पिछले साल के आखिरी महीने यानी दिसंबर में था। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति तथा विदेशी कोषों की सतत निकासी ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया है।

12 जनवरी को आएंगे आईआईपी व सीपीआई के आंकड़े

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा जारी होने के बाद निवेशकों की जोखिम लेने की धारणा पर असर पड़ा है। इस ब्योरे से 2023 में ब्याज दरों में और बढ़ोतरी का संकेत मिला है। नायर ने कहा कि इस सप्ताह आईटी क्षेत्र की कंपनियां टीसीएस इन्फोसिस एचसीएल टेक और विप्रो अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। वहीं 12 जनवरी को आईआईपी और सीपीआई के आंकड़े आएंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के उपाध्यक्ष तकनीकी शोध अजित मिश्रा ने कहा कि घरेलू कारकों के अलावा वैश्विक बाजार के रुख पर सभी की निगाह रहेगी। सैमको सिक्योरिटीज में बाजार परिदृश्य प्रमुख अपूर्व सेठ ने कहा कि इस सप्ताह बाजार भागीदारों की निगाह अमेरिका और चीन के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगी। घरेलू मोर्चे पर तीसरी तिमाही के नतीजों के सीजन की शुरुआत आईटी कंपनियों के साथ होगी।

जेएसपीएल मोनेट पावर परियोजना चालू करने 1500 करोड़ निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) मोनेट पावर को परिचालन में लाने के लिए 1500 करोड़ रुपए तक का निवेश करने पर विचार कर रही है। जेएसपीएल ने हाल में मोनेट पावर का अधिग्रहण किया है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह निवेश अगले 12 से 18 माह में किया जाएगा। दिसंबर 2022 में इस्पात विनिर्माता ने दिवाला मार्ग से 410 करोड़ रुपए में कर्ज से जूझ रही मोनेट पावर को खरीदा था। 1050 मेगावॉट की निर्माणाधीन कोयला आधारित बिजली परियोजना ओडिशा के अंगुल में जेएसपीएल के इस्पात संयंत्र के पास स्थित है। उन्होंने कहा कि हम संयंत्र को चालू करने के लिए 1500 करोड़ रुपए तक का नया निवेश करेंगे। यह रकम 12-18 महीनों के बीच लगाई जाएगी। यह संयंत्र पूरा होने के बाद अंगुल में जेएसपीएल के इस्पात संयंत्र को बिजली प्रदान करेगा। मोनेट पावर के लिए कोयला जेएसपीएल की उत्कल बी1 और बी2 खदानों से लिया जाएगा। पिछले साल जेएसपीएल ने ई-नीलामी प्रक्रिया में अंगुल के पास लगभग 34.7 करोड़ टन भंडार के दो कोयला ब्लॉक प्राप्त किए थे। ओपी जिंदल समूह की इकाई जेएसपीएल की दुनियाभर में 90000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ इस्पात बिजली और खनन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

फायरफाक्स ने द फायरफॉक्स अर्बन इको ई-साइकिल को बाजार में उतारा

भारत में है इलेक्ट्रिक साइकिल की कीमत 74999 रुपए

नई दिल्ली ! (एजेंसी)

साइकिल निर्माता कंपनी फायरफाक्स ने भारतीय बाजार में अपनी द फायरफॉक्स अर्बन इको ई-साइकिल को उतार दिया है। इस इलेक्ट्रिक साइकिल की कीमत 74999 रुपए है। फायरफाक्स का दावा है कि अर्बन इको भारत की पहली ऐप-बेस्ड ई-बाइक है और अर्बन इको एक भविष्य के लिए तैयार स्मार्ट बाइक है। यह जर्मन तकनीक पर आधारित बाइक है और डिजाइन सीई रीच और आरओएचएस से प्रमाणित है। कंपनी का ये भी कहना है कि इस इलेक्ट्रिक साइकिल का डिजाइन फीचर्स शहर-खास एर्गोनॉमिक्स और जोमेट्री में यूरोपीय स्टैंडर्ड के अनुरूप है। इसमें एर्गोनोमिक ग्रिप्स हाइड्रोलिक डिस्क ब्रेक और सिंगल पावर बटन से लैस फ्लैट हैंडलबार हैं। इस साइकिल को फायरफाक्स फीट ऐप से कंट्रोल किया जा सकता है। यूनिट फीट ऐप पर गति तय की गई दूरी खर्च की गई कैलोरी और हृदय गति का ट्रैक रख सकते हैं और ई-साइकिल में 5-पेडल असिस्ट मोड का विकल्प भी है।

ई-साइकिल में 10एएच की बैटरी व 90 किमी है माइलेज

द फायरफॉक्स अर्बन इको ई-साइकिल 10एएच बैटरी से चलती है। कंपनी का दावा है कि पेडीलेक मोड पर 90 किमी तक का माइलेज देती है। इसकी टॉप स्पीड 25 किमी प्रति घंटा है। 5 घंटे में इसे फुल चार्ज किया जा सकता है। कंपनी के सीईओ श्रीराम सुंदरसन ने कहा कि ई-साइकिल्स शहरी गतिशीलता का भविष्य हैं और समग्र रूप से ईवी क्षेत्र भी क्रांति में सबसे आगे है। हमारा मानना है कि यह एक बड़ी सेगमेंट है और हम देखते हैं कि एक अवसर है जो फूटने की प्रतीक्षा कर रहा है क्योंकि यूरोप में हम पहले ही क्रांति होते देख चुके हैं।

भारतीय तकनीकी विशेषज्ञों के लिए बुरा साबित हो सकता है यह साल!

- नई नौकरी न मिलने की सूरत में एच1-बी वीजा से धोना पड़ सकता है हाथ

वाशिंगटन । (एजेंसी)

दुनिया भर में मंदी की आशंकाओं के बीच बड़ी टेक कंपनियों में हजारों तकनीकी विशेषज्ञों को नौकरी से निकाल रहे हैं। लगभग सभी कंपनियों ने नई भर्तियां भी रोक दी हैं ऐसे में उनमें से ज्यादातर को नौकरी पाने में भी मुश्किल हो रही है। हाल के दिनों में अमेजन सेल्सफोर्स मेटा ट्विटर और उबर जैसी बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों में बड़ी संख्या में छंटनी हुई है और साथ ही नई भर्तियों पर से रोक लगा दी है। हालांकि इस बीच नौकरी गंवाने वालों में से कइयों के लिए एक राहत की बात यह रही कि उन्हें 3 महीनों के भीतर नई नौकरी मिल गई। हालांकि टेक कंपनियों में हुई हालिया छंटनी में नौकरी गंवाने वाले सारे लोग उतने खुशकिस्मत भी नहीं हैं और आशंका है कि उनके लिए यह साल बेहद खराब साबित हो सकता है। नई नौकरी न मिलने पर उन्हें एच1-बी वीजा से हाथ धोना पड़ जाए। इससे उनका अमे रिका जाने का सपाना टूट सकता है। इस बीच परिचालन लागत की वसूली और मामले के बैकलॉग को रोकने के लिए प्रस्तावित अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा शुल्क नियम के तहत एच1-बी और एल जैसे रोजगार-आधारित वीजा के लिए आवेदन शुल्क बढाने की तैयारी चल रही है। नए प्रस्ताव के तहत उच्च कुशल श्रमिकों के लिए एच-1बी वीजा का आवेदन शुल्क 70 प्रतिशत बढ़कर 780 डॉलर हो जाएगा। एच-1बी वीजा के लिए याचिकाकर्ताओं को पूर्व-पंजीकरण शुल्क के रूप में 215 डॉलर का भी भुगतान करना होगा जो अभी तक महज 10 डॉलर था।

कंपनी परिणामों मुद्रास्फीति और आईआईपी के आंकड़ों से तय होगी बाजार की चाल

वैश्विक रुझान रुपए का उतार-चढ़ाव और विदेशी कोषों का रुख भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की चाल सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की कंपनियों के तिमाही नतीजे घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक रुझान रुपए का उतार-चढ़ाव ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और विदेशी कोषों का रुख भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक आंकड़े आने हैं। 12 जनवरी को आईआईपी और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई के आंकड़े आएंगे। उसी दिन चीन और अमेरिका भी अपने मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी करेंगे। तिमाही नतीजों के सीजन की शुरुआत आईटी कंपनियों के साथ होगी। सप्ताह के दौरान टीसीएस इन्फोसिस और एचसीएल टेक अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। भारतीय शेयर बाजारों की नए साल में शुरुआत सतर्क रुख के साथ हुई।

बाजारों में वहीं रुख दिखा जो पिछले साल के आखिरी महीने दिसंबर में था। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति तथा विदेशी कोषों की सतत निकासी ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा जारी होने के बाद निवेशकों की जोखिम लेने की धारणा पर असर पड़ा है। इस ब्योरे से 2023 में ब्याज दरों में और बढ़ोतरी का संकेत मिला है। बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि घरेलू कारकों के अलावा वैश्विक बाजार के रुख पर सभी की निगाह रहेगी।

(तेल तिलहन बाजार साप्ता हिक समीक्षा) बीते सप्ताह खाने का तेल और तिलहन कारोबार में मिलाजुला रुख रहा

नई दिल्ली । बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में खाने का तेल-तिलहन के कारोबार में मिलाजुला रुख देखने को मिला। एक ओर जहां सरसों और सोयाबीन तेल-तिलहन सोयाबीन दाना को छोड़कर और कच्चे पामतेल सीपीओ की कीमतों में गिरावट दर्ज हुई वहीं हल्की मांग होने के अलावा किसानों द्वारा मंडियों में आवक कम लाने से सोयाबीन दाना मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल कीमतों में मजबूती रही। सामान्य कारोबार के बीच बाकी तेल-तिलहनों के भाव पूर्वस्तर पर ही बने रहे। सूत्रों के मुताबिक पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 60 रुपए की गिरावट के साथ 6885-6935 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल भी समीक्षाधीन सप्ताहांत में 300 रुपए के नुकसान के साथ 13650 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 50-50 रुपए घटकर क्रमशः 2080-2210 रुपए और 2140-2265 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने का भाव 50 रुपए सुधरकर 5700-5800 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि सोयाबीन लूज का थोक भाव 25 रुपए की गिरावट

के साथ 5445-5465 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दिल्ली सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल के दाम भी क्रमशः 400 रुपए 200 रुपए और 150 रुपए की गिरावट के साथ क्रमश 13550 रुपए 13400 रुपए और 11800 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन का भाव 100 रुपए बढ़कर 6635-6695 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपए बढ़कर 15650 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव 20 रुपए बढ़कर 2480-2745 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। प्रसंस्करण की लागत को देखते हुए मांग कमजोर होने से समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) में गिरावट आई और इसका भाव 100 रुपए के नुकसान के साथ 8600 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 10300 रुपए और पामोलीन कांडला का भाव 9300 रुपए प्रति क्विंटल ही रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर।

प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।
- दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व–ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।
- आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।
- दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण–पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।
- यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

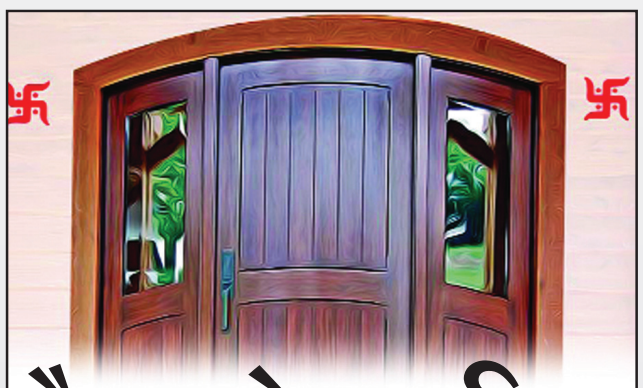

कैसा होना चाहिए घर का मुख्य द्वार

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो। दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

- एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।
- दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।
- एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।
- ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।
- घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।
- कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।
- मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।
- मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।
- घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।
- घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

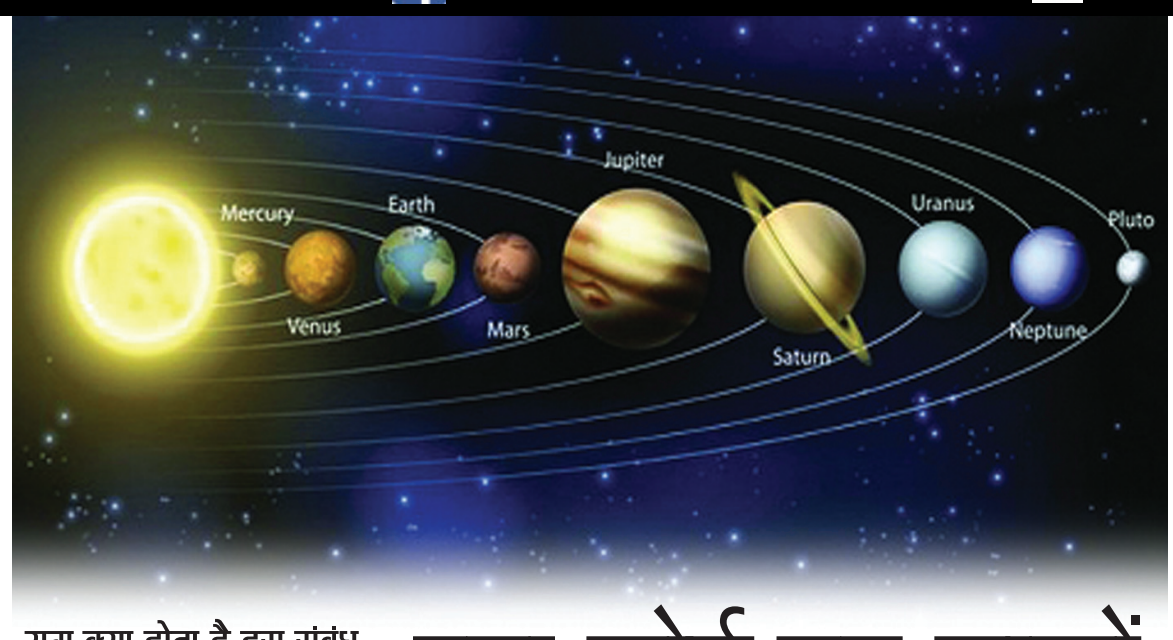

क्या कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतलब यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5–5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं– प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे–युगे विदध्यं' पद में युगे–युगे शब्द का अर्थ 'काले–काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

धर्म शास्त्रों में भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। सूर्य उपासना से न केवल सुख-समृद्धि आती है, बल्कि यश भी बढ़ता है।

सूर्योपासना के समय जपें ये खास मंत्र

महिलाओं को रविवार और सोमवार को सूर्योपासना से घर में समृद्धि व गर्भवती महिलाओं को गुणी पुत्र की प्राप्ति होती है। बह्मवैवर्त पुराण के अनुसार इन दिनों में खेजड़ी के पेड़ के नीचे प्रातः काल सूर्योपासना करते हुए इस मंत्र का 51 बार जाप करने से लाभ मिलता है–

नमः उग्राय वीराय सारंगाय नमो नमः।
नमः पद्मप्रबोधाय प्रचंडाय नमोस्तु ते।।
ओम आदित्याय नमः।

आत्मबल, बुद्धि, इन्द्रियों में सौम्यता, शिष्टता, काम, क्रोधादि शमन व मानसिक पीड़ा से मुक्ति के लिए इन महीनों में आने वाले हर रविवार को खेजड़ी के नीचे सूर्य के सामने बैठ इस मंत्र का 51 बार वाचन करें। पेड़ के नीचे की मिट्टी को लाकर घर में फेंकना शुभ होता है।

ओम नमः पूर्वाय गिरये पश्चिमायाद्रये नमः।
ज्योतिर्गणानां पतये दिनाधिपतये नमः।।
ओम सूर्याय नमः।

जिन महिलाओं को संतान सुख न हो, ऐसी महिलाओं को आंवले के पेड़ के नीचे अथर्ववेद के इस मंत्र का 101 बार जाप व सूर्य देव को जल सिंचन करने से संतान प्राप्ति सुख संभव है–

परिहस्त विधारय योनिं गर्भाय धातवे।
ओम भास्कराय नमः।

नीलें रंग के अपराजिता (विष्णुकान्ता) नामक पौधे के नीचे इस मंत्र का जाप करने से घर के मुकदमेबाजी व न्यायालय में विजय, घर में समृद्धि व स्नायु तंत्र (नर्वस सिस्टम), चर्म रोग व श्वसन संबंधी रोगों से मुक्ति मिलती है। इस पौधे के न होने की दशा में पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर सूर्य को जल सिंचन कर इस मंत्र का 101 बार जाप करें –

ओम विश्वानिदेव सवितुः दुरितानि परांसुवः
यद् भद्रं तन्नासुवः। सूर्य कृणोतु भेशजं
चन्द्रमा वोपोच्छतु।।
ओम सूर्याय नमः।

दीर्घायु व हृदय संबंधी बीमारियों के लिए आश्विन व कार्तिक मास के प्रति रविवार बड़, ढाक, अशोक या सूर्यमुखी पौधे के नीचे आदित्य हृदय स्तोत्रम का पाठ करें या अथर्ववेद के इस मंत्र का 51 बार जाप करें –

उत सूर्योदिव एति पुरो रक्षांसि निजूर्वन।
ओम भानवे नमः।

कुशाग्र बुद्धि, इंटरव्यू में सफलता व शिक्षा से जुड़े पक्षों तथा वायु संबंधी रोगों के निवारण के लिए अथर्ववेद के इस मंत्र का पीपल के पेड़ के नीचे प्रातः काल हर रविवार इस मंत्र के जाप से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

यं जीवमष्नवामहै न स रिष्याति पुरुषः।
त्वं सूर्यस्य रश्मिभिस्त्वं नोअसियज्ञिया।।
ओम सूर्याय नमः।

महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।
- द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।
- परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन–पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।
- इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।
- इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।
- इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

सुनसान जगह पर नहीं रहना चाहिए घर

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

- दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।
- भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।
- यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह–गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर–परिवार की चिंता बनी रहेगी।
- यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।
- दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात–बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।
- सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।
- सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।
- जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

कैलिफोर्निया में तूफान के साथ बारिश और बाढ़ का खतरा बढ़ा

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका के कैलिफोर्निया में शनिवार को बारिश के साथ ही तूफानी मौसम से सड़कों पर बाढ़ आने, नदियों के उफान पर होने और मिट्टी धंसने का खतरा बढ़ गया है। शनिवार को 'बे एरिया' में बारिश हुई। सोमवार को भी तूफान आने की आशंका है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने उत्तरी और मध्य कैलिफोर्निया में 15 से 30 सेंटीमीटर तक बारिश होने की संभावना जताई है। लॉस एंजिलिस में सप्ताहांत में हल्की बारिश का अनुमान जताया गया है और सोमवार को तूफानी मौसम के साथ पर्वतीय क्षेत्र में 20 सेंटीमीटर तक बारिश की संभावना है। कैलिफोर्निया में हाल ही में बारिश और तूफान के कारण हजारों घरों की बत्ती गुल हो गई थी, सड़कों पर बाढ़ आ गई थी और कम से कम छह लोगों की मौत हो गई थी। सैन फ्रांसिस्को में 26 दिसंबर के बाद से 25 सेंटीमीटर से अधिक बारिश हुई है, जबकि पूर्वी सिएरा में मशहूर स्की स्थल मैमथ माउनटेन पर करीब 10 फीट तक हिमपात दर्ज किया गया है।

चीन में सड़क दुर्घटना में 17 लोगों की मौत

बीजिंग। दक्षिणी चीन में रविवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में 17 लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। चीन के वार्षिक चंद्र नववर्ष पर लोग छुट्टियों में बाहर निकलते हैं जिसके कारण सड़कों पर भीड़भाड़ रहती है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय यातायात प्रबंधन ब्रिगेड के अनुसार, दुर्घटना जियांग्शी प्रांत के नानचांग शहर के बाहरी इलाके में हुई। ब्रिगेड ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि कितने या किस प्रकार के वाहन इसमें शामिल थे और इसके कारणों की जांच की जा रही है। इस तरह की दुर्घटनाएं अकसर चालकों के थके होने और वाहनों के खराब रखरखाव या क्षमता से अधिक सामान ढोने के कारण होती हैं, लेकिन हाल के वर्षों में सख्त नियमों से ऐसी घटनाएं कम हुई हैं। छुट्टियों के समय वाहनों और चालकों तथा यात्रियों की संख्या की स्थिति पर नजर रखने के प्रयासों को बढ़ा दिया जाता है, क्योंकि चीन में चंद्र वर्ष परिवार से मिलने का एक महत्वपूर्ण वार्षिक अवसर होता है और इस मौके पर लाखों प्रवासी अपने गृहनगर लौटते हैं। अधिकतर कोविड-19 प्रतिबंधों के खत्म होने के साथ इस वर्ष 22 जनवरी से शुरू होने वाले सप्ताह भर के त्योहारों के मौसम में बड़ी संख्या में लोगों के यात्रा करने की उम्मीद है।

क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने पाक पीएम को कॉल किया पीएम शरीफ के दावे का आईएमएफ ने किया खंडन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की शहबाज सरकार की कई बार अपने गलत दावों को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेइज्जती हो चुकी है। एक बार फिर पाक सरकार को शर्मिंदा होना पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने रविवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय के उस दावे को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने पाक पीएम को कॉल किया था। आईएमएफ ने कहा कि पाकिस्तान सरकार का यह दावा इसलिए गलत है क्योंकि खुद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस वार्ता का अनुरोध किया था। आईएमएफ के स्थानीय प्रतिनिधि एस्थर पेरेज ने एक अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर चर्चा करने के लिए वार्ता करते के लिए कहा था। शुक्रवार को ही प्रधानमंत्री शहबाज के कार्यालय द्वारा जारी एक ट्वीट में कहा गया कि आईएमएफ के प्रबंध निदेशक ने शहबाज को फोन किया था। एक भाषण के दौरान प्रधानमंत्री शहबाज ने भी यह दावा किया था कि आईएमएफ के प्रबंध निदेशक ने उनसे संपर्क किया था। पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर है लेकिन फिर भी उसकी सरकार अपने तरीके बदलने के लिए तैयार नहीं है और हेकड़ी मार रही है। पाकिस्तान की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि उसके हाथ में केवल 4.5 बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। यह भंडार केवल तीन सप्ताह के आयात के लिए पर्याप्त हैं। वहीं पाकिस्तान की कर्ज अदायगी 8.5 अरब डॉलर है। इसमें यूएई को 2 बिलियन डॉलर शामिल हैं जिसके लिए सरकार रोलओवर पाने की कोशिश कर रही है। बता दें कि इस तरह के तथ्यात्मक रूप से गलत बयान पाकिस्तान के लिए आईएमएफ को उसकी मदद करने के लिए मनाने में और अधिक समस्याएं पैदा कर सकते हैं खासकर जब दोनों पक्षों के बीच अविश्वास का एक लंबा इतिहास रहा हो। ऋण चुकाने के अपने गलत वादों के कारण आईएमएफ के साथ पाक पहले ही लंबे समय से कठिन संबंधों में रहा है लेकिन अब उसके लिए और मुसीबतें बढ़ सकती हैं।

अमेरिका से खतरनाक हिमर्स मिसाइल सिस्टम खरीदेगा आस्ट्रेलिया

वॉशिंगटन। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की तरफ से बढ़ते खतरे को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ताकतवर अमेरिकी मिसाइल सिस्टम हिमर्स को तैनात करने का इरादा किया है। ऑस्ट्रेलिया ने तय किया है कि वह इस क्षेत्र में अब एक स्वतंत्र सुरक्षा नीति अपनाएगा और चीन को किसी भी गुस्ताखी का मुंहतोड़ जवाब देगा। अमेरिका की तरफ से ऑस्ट्रेलिया को एडवांस्ड मिसाइल और रॉकेट सिस्टम हिमर्स मिलेंगे। हिमर्स वही मिसाइल सिस्टम है जो इस समय यूक्रेन में रूस के खिलाफ प्रयोग हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पिछले दिनों इस बात की पुष्टि की गई है कि वह हिमर्स खरीद रहा है। अमेरिका साल 2026 तक ऑस्ट्रेलियन आर्मी को 20 हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम (एचआईएमएआरएस) डिलीवर करेगा। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा उद्योग मंत्री पैट कॉनरॉय की तरफ से बताया गया है कि हिमर्स ऑस्ट्रेलिया की सेना को सुरक्षित रखेगा और नौसेना स्ट्राइक मिसाइल के साथ मिलकर मिलिट्री क्षमता को दोगुना करेगा। यह सिस्टम देश के हितों की सुरक्षा के लिए कारगर साबित होंगे। सीएनएन की तरफ से बताया गया है कि ऑस्ट्रेलिया हिमर्स को दक्षिण पूर्व एशिया या फिर प्रशांत में तैनात कर सकता है। यूएस मरीन कोर इस सिस्टम के साथ एक्सरसाइज करने में लगी हुई है। उसका मानना है कि इस सिस्टम को ऑस्ट्रेलिया किसी ऐसे क्षेत्र में डेप्लॉय कर सकता है जहां पर चीन की तरफ से चुनौती मिलने की आशंका काफी ज्यादा है। इस सिस्टम के अलावा ऑस्ट्रेलिया ने नेवल स्ट्राइक मिसाइल (एनएसएम) की डील भी की है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री पीटर ड्यूटॉन ने कहा था कि यूक्रेन में जारी जंग और चीन की तरफ से बढ़ते खतरे को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया के लिए अपने रक्षा उपकरणों को अपग्रेड करना बहुत जरूरी है। हिमर्स 1970 के दशक से ही अमेरिकी सेना का हिस्सा है।

इजरायल में नई सरकार की नई नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

-प्रदर्शनकारियों ने कहा- इजरायल को तानाशाही की तरफ ले जा रहे नेतन्याहू

तेल अवीव। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली इजरायल की नई सरकार की नीतियों के खिलाफ हजारों लोग गत दिवस सड़कों पर उतर आए। विरोधियों का कहना है कि ये नीतियां लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। देश के 74 साल के इतिहास में पहली बार गठित धुर दक्षिणपंथी और धार्मिक रूढ़िवादी सरकार के शपथ ग्रहण के कुछ दिन बाद प्रदर्शनकारी मध्य शहर तेल अवीव में जमा हुए। उन्होंने तख्ती थाम रखी थी जिन पर लिखा था कि नई सरकार हमारे खिलाफ है। कुछ प्रदर्शनकारियों के हाथों में सतरंगी झंडे थे। प्रदर्शन वाम धड़े और इजरायल की संसद नेसेट के अरब सदस्यों ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नई कैबिनेट के प्रस्तावित कदम न्याय तंत्र में अड़चन डालेंगे और सामाजिक दूरियां बढ़ाएंगे। वाम धड़े के प्रदर्शनकारियों ने न्याय मंत्री यारिव लेविन की आलोचना की जिन्होंने बुधवार को न्यायिक प्रणाली में सुधार से संबंधित सरकारी योजना को अमलीजामा पहनाने का खाका पेश किया था। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इस कदम का मकसद देश की सर्वोच्च न्यायालय को कमजोर करना है। आलोचकों ने सरकार पर न्याय प्रणाली के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे सरकार को असीम शक्तियां मिलेंगी और लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होंगी। मीडिया के अनुसार एक प्रदर्शनकारी डैनी सिमोन का कहना है कि हमें वाकई में डर है कि हमारा देश लोकतंत्र को खो देगा और हम केवल एक व्यक्ति की वजह से तानाशाही की ओर जा रहे हैं जो अपने खिलाफ चलाए जा रहे मुकदमों से छुटकारा पाना चाहता है। सिमोन का इशारा प्रधानमंत्री नेतन्याहू की तरफ था जिन पर 2021 में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। हालांकि उन्होंने इन आरोपों का खंडन किया है। प्रदर्शनकारियों ने देश के

बीजिंग में कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए यात्री लूनार नववर्ष के पहले यात्रा के दौरान पीपीई किट में नजर आये।

कोविड के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा करेगा चीन जब्त संपत्तियों को भी लौटाने का आदेश दिया

बीजिंग। चीन सरकार ने 3 साल पुरानी जीरो-कोविड नीति को खत्म करने की अपनी योजना से एक दिन पहले कोविड संबंधी घटनाओं को लेकर हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा करने का शनिवार को आदेश दिया। देश में बड़े पैमाने पर कोरोना वायरस प्रकोप के बीच चीन रविवार को 12 बजे से विदेशी यात्रियों पर लगीं पाबंदियां समाप्त कर देगा यात्रा और व्यापार के लिए अपने हवाई अड्डों और बंदरगाहों को पूरी तरह से खोल देगा। प्रतिबंध हटने के बाद विदेशी यात्री बिना न्यूक्लिक एसिड टेस्ट और पृथकतावास पाबंदियों के चीन पहुंच सकते हैं। सरकार ने पिछले महीने सरकार विरोधी प्रदर्शनों के मद्देनजर अपनी कठोर जीरो-कोविड नीति में ढील दी थी जिसके बाद चीन ओमीक्रॉन स्वरूप के कारण कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेज वृद्धि से जूझ रहा है। अधिकारियों का तर्क है कि ओमीक्रोन स्वरूप डेल्टा स्वरूप जितना घातक नहीं है जिसके कारण पूरी दुनिया में बड़े पैमाने पर मौतें हुई हैं। कोविड नियमों में पूरी तरह से ढील देने से पहले चीन सरकार ने कोविड से संबंधित मामलों के लिए हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा करने का आदेश दिया। एक सरकारी नोटिस में कहा गया है कि जब्त की गई सभी संपत्तियों को छोड़ दिया जाए। आदेश में स्थानीय अदालतों पुलिस और सीमा शुल्क विभाग को कानून के अनुसार कोविड-19 संबंधी नीति लागू करने के लिए कहा गया है।

ब्रिटेन के राज परिवार के सहयोगियों ने राजकुमार हैरी के दावों का खंडन किया

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के शाही परिवार के सहयोगियों ने राजकुमार हैरी द्वारा अपने नए संस्मरण में किए गए दावों का शनिवार को खंडन किया। राजकुमार हैरी ने अपनी किताब में राजशाही पर भी निशाना साधा है और उसे ऐसी संस्था बताया, जो उनका समर्थन करने में विफल रही। बकिंघम पैलेस ने हैरी की किताब पर आधिकारिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। लेकिन ब्रिटिश अखबारों और वेबसाइट में शाही परिवार से जुड़े अनाम सूत्रों के बयान भरे हुए हैं, जिनमें हैरी के आरोपों का खंडन किया गया है।

ऐसे ही एक बयान में कहा गया है कि हैरी द्वारा सार्वजनिक रूप से ब्रिटिश राज परिवार पर हमला बोलने का असर महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के स्वास्थ्य पर भी हुआ, जिनकी सितंबर में मृत्यु हो गई थी। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय के मित्र एवं वयोवृद्ध पत्रकार जोनाथन डिंबलेबी ने कहा कि हैरी के रहस्योद्घाटन उसी प्रकार के थे जिसकी आप

उम्मीद करेंगे...'' और इससे महाराजा को पीड़ा और निराशा हुई होगी। उन्होंने बीबीसी से कहा, उनकी चिंता... एक ऐसे देश के राष्ट्राध्यक्ष के रूप में काम करना है, जिसके बारे में हम सभी जानते हैं कि वह संकटग्रस्त स्थिति में है।

हैरी की किताब स्पेयर में कई दावे किए गए हैं और यह राजकुमार और उनकी पत्नी मेगन के सार्वजनिक बयानों की कड़ी में नवीनतम मामला है। हैरी ने शाही जीवन छोड़ दिया था और 2020 में कैलिफोर्निया चले गए थे। उस समय उन्होंने कहा था कि मेगन के प्रति मीडिया का व्यवहार नस्लवादी था और उन्हें राजमहल से समर्थन नहीं मिला। स्पेयर किताब मंगलवार को दुनिया भर में रिलीज होने वाली है।

शाही परिवार से उनके अलगाव को लेकर मीडिया में काफी बातें आईं, जिसमें 2021 में ओपरा विनफ्रे के साथ एक प्रसिद्ध साक्षात्कार शामिल है, जिसे लेकर काफी विवाद भी हुआ था। हैरी ने अपनी किताब में यह भी लिखा है कि उन्होंने अफगानिस्तान में अपाचे हेलीकॉप्टर के पायलट के रूप में काम करते हुए 25 तालिबानी लड़ाकों को मार डाला था। उनके इस दावे की तालिबान और ब्रिटेन के पूर्व सैन्य अधिकारियों ने आलोचना की है। किताब में हैरी के बचपन, उनके स्कूल के दिनों, शाही सदस्य के तौर पर उनके जीवन और ब्रिटिश सेना में कार्यकाल, माता-पिता व भाई के साथ उनके संबंध और विवाह पूर्व व विवाह के बाद मेगन के साथ उनके रिश्तों का जिक्र है।

मेक्सिको सिटी में 2 मेट्रो ट्रेनें टकराईं एक की मौत व 57 घायल ड्राइवर की हालत गंभीर

मैक्सिको सिटी। मेक्सिको सिटी में 2 मेट्रो ट्रेनें टकरा गईं जिससे एक युवती की मौत हो गई और 57 घायल हो गए। ड्राइवर की हालत गंभीर बनी हुई है। मैक्सिको सिटी की मेयर क्लॉडिया शीनबाम ने अपने ट्विटर अकाउंट पर इस घटना के बारे में कहा कि यह एक्सीडेंट राजधानी के मेट्रो सिस्टम की लाइन 3 पर हुआ। उन्होंने दुर्घटना के कारण की जानकारी शेयर नहीं की और कहा कि जो पोटरो और ला रज़ा स्टेशनों के बीच 2 मेट्रो ट्रेनें टकरा गईं। शीनबाम ने कहा कि इस एक्सीडेंट में एक महिला की मौत हो गई और 57 लोग घायल हो गए जिनमें से 7 अस्पतालों में ले जाया गया. खबरों में कहा गया कि कुछ समय के लिए मलबे में फंसे 4 लोगों में से एक ट्रेन का चालक भी शामिल था जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। राहत और बचाव के काम के लिए दर्जनों पुलिस और सैनिक पास के सबवे स्टेशनों पर जमा हो गए जबकि एंबुलेंस और बचाव दल घायलों के इलाज के लिए पहुंचे। शहर के सुरक्षा प्रमुख उमर गार्सिया ने स्थानीय मीडिया को शनिवार सुबह हुए हादसे की जानकारी दी और बाद में घायलों की एक अपडेटेड सूची शेयर की। गार्सिया ने पहले कहा था कि लाइन 3 पर एक वैगन में फंसे 4 दूसरे लोगों को बचा लिया गया है और उनका स्वास्थ्य ठीक है। मेट्रो दुर्घटना पर शोक जताते हुए मेक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर ने अपने ट्विटर अकाउंट पर कहा कि संघीय सरकार ने दुर्घटना से निपटने में शहर के अधिकारियों की मदद की थी।

महिलाओं पर प्रतिबंध को लेकर संयुक्त राष्ट्र दूत ने अफगान शिक्षा मंत्री से मुलाकात की

जेनेवा (एजेंसी)। विश्वविद्यालयों में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को लेकर चर्चा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष दूत ने शनिवार को तालिबान नीत अफगानिस्तान सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री से मुलाकात की। मार्कस पोटजेल पिछले महीने प्रतिबंध लागू होने के बाद से उनसे मिलने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय अधिकारी हैं। तालिबान के अधिकारियों ने 20 दिसंबर को सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों को अगली सूचना तक महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। इस आदेश को लेकर अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को अंतरराष्ट्रीय निंदा का सामना करना पड़ा था।

उच्च शिक्षा मंत्री निदा मोहम्मद नदीम ने प्रतिबंध का बचाव करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में ऐसा किया जाना आवश्यक है और क्योंकि उनका मानना है कि कुछ विषय इस्लामी सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि विशेष दूत मार्कस पोटजेल ने नदीम के साथ अपनी बैठक में इन प्रतिबंधों को तत्काल हटाने का आह्वान किया। मिशन ने कहा कि तालिबान द्वारा महिला शिक्षा पर प्रतिबंध से सभी अफगान नागरिकों को नुकसान होगा। पोटजेल के अनुरोध पर नदीम की प्रतिक्रिया का तुरंत पता नहीं चल पाया है। अफगानिस्तान के बारे में 13 जनवरी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में होने वाली बैठक से पहले यह चर्चा हुई।

अगले हफ्ते वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ सम्मेलन की मेजबानी करेगा भारत डिजिटल शिखर बैठक में 10 सत्र होंगे

-'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' सम्मेलन में उठाए जाने वाले मुद्दों पर मुखर रहे हैं यूएन महासचिव :दुजारिक

जेनेवा (एजेंसी)। भारत अगले सप्ताह एक विशेष 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' सम्मेलन की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने कहा है कि महासचिव एंतोनियो गुतारेस उन मुद्दों पर बहुत मुखर रहे हैं जो यूक्रेन संघर्ष और विकासशील देशों पर कोविड संकट के गहरे प्रभाव पर केंद्रित होंगे। भारत 12-13 जनवरी को 'वॉयस आफ ग्लोबल साउथ' शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा जिसमें वैश्विक दक्षिण सहित विकासशील देशों को अपने मुद्दों चिंताओं और प्राथमिकताओं को रखने का मौका मिलेगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक भारत द्वारा आयोजित किए जा रहे इस डिजिटल शिखर सम्मेलन को लेकर एक सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें 120 से अधिक देशों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' सम्मेलन में उठाये जाने वाले मुद्दों पर संरा महासचिव मुखर रहे हैं: प्रवक्ता

वाशिंगटन (एजेंसी)। यद्यपि भारत अगले सप्ताह एक विशेष 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' सम्मेलन की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और इस बीच संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा है कि महासचिव एंतोनियो गुतारेस उन मुद्दों के बारे में बहुत मुखर रहे हैं, जो यूक्रेन संघर्ष और विकासशील देशों पर कोविड संकट के गहरे प्रभाव पर केंद्रित होंगे। भारत 12-13 जनवरी को डिजिटल माध्यम से 'वॉयस आफ ग्लोबल साउथ' शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें वैश्विक दक्षिण सहित विकासशील देशों को अपने मुद्दों, चिंताओं और प्राथमिकताओं को रखने का मौका मिलेगा।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक भारत द्वारा आयोजित किए जा रहे इस डिजिटल शिखर सम्मेलन को लेकर एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें 120 से अधिक देशों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। शिखर सम्मेलन में कोविड-19 महामारी के प्रभाव, यूक्रेन संघर्ष और बढ़ती खाद्य, उर्वरक और ईंधन की कीमतों जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जायेगा। दुजारिक ने शुक्रवार को कहा, '' स्पष्ट रूप से, ये ऐसे मुद्दे हैं, जिनके बारे में मुझे लगता है कि महासचिव बहुत मुखर रहे हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या संयुक्त राष्ट्र को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है, दुजारिक ने कहा कि वह इस बारे में पता करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा था कि इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिये 120 देशों को आमंत्रित किया गया है। इस सम्मेलन का मुख्य विषय 'यूनिटी आफ वॉयस, यूनिटी आफ पर्पज' है। उसने कहा था, ''भारत यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट' में विचार-विमर्श में भागीदार देशों से जानकारी प्राप्त की जाये।'' मंत्रालय ने कहा था इस शिखर सम्मेलन की बैठकों में हिस्सा लेने वाले देशों की राय, विचारों, चिंताओं एवं सुझाव का संकलन प्रस्तुत किया जायेगा। इन देशों की बातें जी-20 समूह की भारत की अध्यक्षता के दौरान महत्वपूर्ण विचार के रूप में ली जाएंगी। इस डिजिटल शिखर बैठक में 10 सत्र होंगे, जिसमें दो सत्र शासनाध्यक्ष स्तरीय होंगे, जबकि आठ सत्र मंत्री स्तरीय होंगे। शासनाध्यक्षों के स्तर के सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल रहेंगे।

जनवरी के महीने में मनाया जाता है क्रिसमस

-खुद रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी लिया हिस्सा

मास्को (एजेंसी)। देश और दुनिया भर में क्रिसमस का त्योहार 25 दिसंबर को मनाया जाता है। मगर काफी कम लोग जानते हैं कि रूढ़ीवादी ईसाई लोग हर साल 6-7 जनवरी को क्रिसमस का त्योहार मनाते है। यानी पश्चिमी सभ्यता द्वारा क्रिसमस मनाए जाने को दो सप्ताह बाद इस त्योहार को मनाया जाता है।

यूक्रेन, सर्बिया, मोंटेनेग्रो, रूस और बेलारूस, बोस्निया और हर्जेगोविना के कुछ हिस्सों और मिस्र और इथियोपिया जैसे अफ्रीकी देशों सहित यूरोप के कई देशों में 6 जनवरी को क्रिसमस ईव के तौर पर मनाया गया है। दरअसल अलग अलग कैलेंडरों के कारण इस त्योहार के दिन में ये अंतर आया है। कैथोलिक और रूढ़िवादी ईसाई ईसा मसीह के जन्म को दर्शाने के लिए अलग अलग कैलेंडरों का उपयोग करते हैं।

ने मास्को में रूढ़िवादी चर्च में क्रिसमस मास में हिस्सा लिया। पुतिन ने क्रेमलिन कैथेड्रल में अपना क्रिसमस ईव मास आयोजित किया था। यहां उन्होंने रूसी सेना को वापस करने के लिए चर्च के 'विशाल, जटिल और वास्तव में निस्वार्थ कार्य' पर आभार व्यक्त किया। एक बयान में कहा कि, ''समाज को एकजुट करने, हमारी ऐतिहासिक स्मृति को संरक्षित करने, युवाओं को शिक्षित करने और परिवार की संस्था को मजबूत करने में रूसी रूढ़िवादी चर्च और अन्य ईसाई संप्रदायों के विशाल रचनात्मक योगदान को ध्यान में रखते हुए यह बहुत खुशी की बात है।'

जानें इस क्रिसमस को मनाने का इतिहास

जानकारी के मुताबिक वर्ष 1582 में पोप ग्रेगरी XIII द्वारा पेश किया गया ग्रेगोरियन कैलेंडर आमतौर पर सबसे अधिक उपयोग में लाया जाने वाला कैलेंडर है। इसी कैलेंडर के आधार पर कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाते है। होगा। इससे पहले उपयोग होने वाले जूलियन कैलेंडर में ईस्टर आमतौर पर स्प्रिंग के आसापस पड़ता था।

वहीं रूढ़िवादी ईसाईयों ने वर्ष 1923 में ग्रेगोरियन कैलेंडर को अपनाया था। हालांकि कुछ ग्रीक ऑर्थोडॉक्स और यूक्रेन के ईसाई आज भी जूलियन कैलेंडर का ही उपयोग करते है। बता दें कि जूलियन कैलेंडर एक सौर कैलेंडर है जो 46 ईसा पूर्व में जूलियस सीजर द्वारा लागू किया गया था। ये कैलेंडर ग्रेगोरियन कैलेंडर से पूरे 13 दिन बाद पूरा होता है।

माना जाता है कि दो सप्ताह का अंतर एक गलत गणना के आधार पर हुआ था। पहली बार जूनियन कैलेंडर तैयार हुआ था, इसके बाद सदियों बीतने के साथ सौर वर्ष के साथ इसका अंतर बढ़ा है। माना जा रहा है कि वर्ष 2100 तक रूढिवादी क्रिसमस का त्योहार 6-7 की जगह आठ जनवरी को मनाया जाएगा।

जनवरी से शुरू होात है। इसे पूर्वी यूरोपीय ईसाई पारंपरिक तौर से मनाते है। परंपरा के मुताबिक तब तक उपवास किया जाता है जब तक रात में आकाश में पहला तारा ना दिख जाए। तारा देखने को ही यीशु के जन्म का प्रतीक माना जाता है। तारा दिखने के बाद मसीह का जन्म हुआ कहकर अभिवादन किया जाता है।

कहा जाता है कि यीशू के जन्म के बाद तीन बुद्धिमान पुरुषों का भी जन्म हुआ था। बता दें कि रूढ़िवादी क्रिसमस ईव के मौके पर पारंपरिक खाना खाते हैं। इसमें मांस और शराब का सेवन नहीं किया जाता है। इस दौरान कुल 12 व्यंजन बनाए जाते है। कई जगहों पर कुटिया नामक डिश बनाई जाती है जिसे गेहूं, खसखस, किशमिश, अखरोट और शहद मिलाकर बनाया जाता है। क्रिसमस के दिन के दोपहर के भोजन में विभिन्न प्रकार के व्यंजन शामिल होते हैं।

बता दें कि क्रिसमस की शुरुआत सात जनवरी को हुई। कुछ रूढ़िवादी ईसाई क्रिसमस की पर्व संध्या पर

क्रिस्मस के विपरीत, रूढ़िवादी परंपरा में उपहार देने की प्रथा नहीं है। रूढ़िवादी ईसाई आमतौर पर 19 दिसंबर, सेंट निकोलस डे या 31 दिसंबर को नए साल की पूर्व संध्या पर उपहार देते हैं। अधिकांश पूर्वी यूरोप में, नए साल की पूर्व संध्या पर उपहारों का आदान-प्रदान करने का रिवाज है।

यूरोप के रूढ़िवादी ईसाई देशों में, ग्रेगोरियन कैलेंडर का उपयोग दिन-प्रतिदिन के जीवन में किया जाता है। वहीं त्योहारों को यहां जूलियन कैलेंडर के मुताबिक ही मनाया जाता है। जलियन कैलेंडर के अनसार, नया का दिन होता है।

वहीं पश्चिमी बाल्कन में रूढ़िवादी ईसाई क्रिसमस की पूर्व संध्या को एक ओक के पेड़ के एक हिस्से को काटने के लिए जंगल में जाकर चिह्नित करते हैं, जिसे आमतौर पर 'बदनजक'' कहा जाता है। इसे घर लाया जाता है और इसमें आग लगाई जाती है। इसकी पत्तियों वाली शाखा को सजावट के लिए उपयोग किया जाता है। जानकारी के मुताबिक यूक्रेन में 6 और 19 जनवरी के बीच ÷वर्टेप÷ का आयोजन होता है जो मुख्य तौर से एक कठपतली थियेटर है जो सडक पर

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए बुनियादी ढांचे, निवेश, नवाचार, समावेशन पर ध्यान दें

नई दिल्ली (एजेंसी) । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए बुनियादी ढांचा, निवेश, नवाचार तथा समावेश के चार स्तंभों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस दौरान उन्होंने एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम की शुरुआत की और राज्यों से ब्लॉक स्तर पर चल रहे 'एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम' का अनुसरण करने की सलाह दी। मोदी ने मुख्य सचिवों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता लाने के लिए पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। साथ ही प्रधानमंत्री ने उनसे एमएसएमई क्षेत्र को ''ग्लोबल चैंपियन'' और वैश्विक श्रृंखला का एक हिस्सा बनाने की दिशा में कदम उठाने के लिए कहा।

एक बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि देश इसका पूरा लाभ तभी उठा सकता है जब राज्य गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करके और ''भारत प्रथम'' के दृष्टिकोण के साथ निर्णय करें। प्रधानमंत्री ने मुख्य सचिवों से ''अविवेकपूर्ण अनुपालन'' और पुराने कानूनों एवं नियमों को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित करने का भी आह्वान किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''ऐसे समय में जब भारत अद्वितीय सुधारों की शुरुआत कर रहा है, अति-नियमन और अविवेकपूर्ण प्रतिबंधों की कोई गुंजाइश नहीं है।''

मोदी ने कहा कि राज्यों को विकास आधारित सुशासन, व्यापार एवं जीवनयापन में आसानी और मजबूत बुनियादी ढांचे के प्रावधान पर ध्यान देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने साइबर सुरक्षा को बढ़ाने पर ध्यान देने के साथ-साथ भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में भी बात की। उन्होंने ट्वीट किया कि दुनिया की निगाहें भारत पर हैं और प्रतिभावान युवाओं के मामले में हम समृद्ध हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला समय हमारे देश का है।

मोदी ने कहा, ''देश को आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए हमारे एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) क्षेत्र को मजबूत करना महत्वपूर्ण है।'' इससे पहले, मोदी ने आज दिन में मुख्य सचिवों से अपील की कि वे लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और भारत के विकास पथ को मजबूत करने के लिए काम करें। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''पिछले दो दिनों से, हम दिल्ली में मुख्य सचिवों के सम्मेलन में व्यापक चर्चा देख रहे हैं। आज की मेरी टिप्पणी के दौरान, उन विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर जोर दिया गया, जो लोगों के जीवन को बेहतर बना सकते हैं और भारत के विकास पथ को मजबूत कर सकते हैं।''

इधर, सरकार ने कहा है कि पांच जनवरी से शुरू हुए मुख्य सचिवों के सम्मेलन का

उद्देश्य राज्यों के साथ समन्वय में तेजी से और निरंतर आर्थिक विकास करना था। मुख्य सचिवों का दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन आज संपन्न हुआ। मोदी ने अंतिम दो दिन सम्मेलन की अध्यक्षता की।

गुजरात में हुआ अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव का उद्घाटन, भाग लेंगे 68 देश

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को यहां जी-20 के ध्येयवाक्य (थीम) ' एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य' पर आधारित अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव, 2023 का उद्घाटन किया जिसमें 68 देशों के करीब 125 पतंगबाज हिस्सा लेंगे। अंतरराष्ट्रीय सहभागियों के अलावा, देश के 14 राज्यों के 65 पतंगबाज तथा गुजरात के विभिन्न हिस्सों के 660 पतंगबाज भी सप्ताह भर चलने वाले समारोह में भाग लेंगे। इसका समापन 14 जनवरी को होगा। पटेल ने यहां साबरमती रिवरफ्रंट पर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात में विकास की पतंग लगातार दो दशकों में नयी ऊचाइयों को पार करती रही है।'' उन्होंने कहा कि पतंग उत्सव आसमान को छूने तथा नयी ऊंचाइयों तक पहुंचने का एक मौका है क्योंकि पतंग प्रगति, समृद्धि एवं उड़ान की प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब मोदी मुख्यमंत्री थे तब पतंग उद्योग को प्रोत्साहन मिला और वह दो दशकों में 8-10 करोड़ रुपये के उद्योग से बढ़कर 625 करोड़ रुपये का उद्योग बन गया एवं 1.30 लाख लोगों को रोजगार प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत पहली बार जी-20 देशों की मेजबानी कर रहा है और यह इसलिए संभव हो पाया क्योंकि प्रधानमंत्री ने भारत की छवि वैश्विक मंचों पर मजबूत बनायी है। उन्होंने कहा कि गुजरात के लिए यह गौरव की बात है कि उसे जी-20 की 15 बैठकों की मेजबानी करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, '' गुजरात की विकास यात्रा को निर्बाध जारी रखने के लिए हमने पर्यटन एवं रोजगार पर विशेष बल दिया है। आज का पतंग उत्सव उसी का उदाहरण है। इस मौके पर पर्यटन मंत्री मुलुभाई बेरा ने कहा कि उत्तरायण समारोह प्रकृति के संरक्षण का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद के अलावा वडोदरा, वडनगर, सोमनाथ, राजकोट, धोलेरा और धोर्डो में यह उत्सव आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव से विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ गयी है तथा ऐसे उत्सवों के आयोजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को संबल मिलता है एवं रोजगार के अवसर पैदा होते हैं।

पुलिस पर 100 अफ्रीकियों ने किया हमला चार गिरफ्तार

– नाइजीरियाई नागरिकों को पकड़ने गई थी पुलिसा

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस के अधिकारियों पर गत दिवस शनिवार को 100 अफ्रीकी नागरिकों की हिंसक भीड़ ने हमला कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि नारकोटिक्स सेल की एक टीम शनिवार को विदेशी नागरिकों पर निर्वासन की कार्यवाही के लिए राजू पार्क गई थी। अधिकारी ने कहा कि दोपहर करीब ढाई बजे टीम ने तीन अफ्रीकी नागरिकों को पकड़ा जिनके वीजा की अवधि खत्म हो चुकी थी। अधिकारी ने बताय कि टीम उन्हें पुलिस स्टेशन लाने की कोशिश कर रही थी लेकिन अचानक लगभग 100 अफ्रीकी नागरिक वहां एकत्र हो गए और पुलिस टीम को रोक दिया लेकिन इस बीच हिरासत में लिए गए दो अफ्रीकी नागरिक भागने में सफल रहे। बाद में एक एक फिलिप को सफलतापूर्वक पकड़ लिया गया। अधिकारी ने कहा कि एक बार फिर नारकोटिक्स स्क्वॉड और पुलिस स्टेशन नेब सराय की एक संयुक्त टीम नियत समय से अधिक समय तक रहने वाले विदेशी नागरिकों की तलाश में राजू पार्क पहुंची और एक महिला केने चुक्कु डेविड विलियम्स सहित चार अफ्रीकी नागरिकों को हिरासत में लिया। आरोपियों के खिलाफ क्राइम ब्रांच में आईपीसी की धारा 420/120बी रीड विद 14 फॉरेनर्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और पासपोर्ट भी जब्त कर लिया गया है।

मुंबई : रेस्टोरेंट में बम होने की झूठी खबर देने वाला शख्स गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने रविवार को उस 29 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसने कथित तौर पर पुलिस नियंत्रण कक्ष को शहर के एक लोकप्रिय रेस्तरां में बम होने की झूठी सूचना दी थी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वीपी रोड थाने के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर तड़के तीन बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन किया और कहा कि दक्षिण मुंबई के कोलाबा इलाके में एक प्रसिद्ध रेस्तरां में बम रखा गया है। उन्होंने कहा कि बम जांच एवं निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उस नंबर का पता लगाया, जिससे फोन किया गया था और एक घंटे के भीतर आरोपी को भी ढूंढ निकाला। प्रारंभिक जांच के अनुसार आरोपी मानसिक रूप से विक्षिप्त और बेरोजगार है। अधिकारी ने कहा कि रेस्तरां के बाहर उसके साथ कुछ हुआ था, जिसके कारण उसने फर्जी फोन किया था। व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं एवं अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

फ्लाइट में पेशाब कांड : आरोपी ने 4 बार पी शराब फिर किया शर्मनाक कार्य

– एक सहयात्री ने आरोपी शंकर मिश्रा की बयां की पूरी कहानी

नई दिल्ली । एयर इंडिया की न्यूयॉर्क-दिल्ली फ्लाइट में शंकर मिश्रा द्वारा महिला पैसेंजर पर पेशाब करने की घटना की एक को-पैसेंजर ने गवाही देते हुए आंखों देखी बयां किया है। जिस दिन यह घटना हुई उस दिन एस भट्टाचार्य भी उसी विमान में यात्रा कर रहे थे। उन्होंने घटना के बारे में विस्तार से बात की है। उन्होंने बताया कि यह घटना लंच के बाद घटी। आरोपी ने यात्रा के दौरान 4 बार शराब पी थी। वह मुझसे वही सवाल कई बार पूछ रहा था। मैंने लंच खत्म किया और फ्लाइट अटेंडेंट से उस पर नजर रखने के लिए कहा। उन्होंने आगे बताया कि महिला काफी सभ्य थी। दो जूनियर एयर होस्टेस ने उन्हें साफ किया। मैं वरिष्ठ क्रू मेंबर के पास गया और उनसे दूसरी सीट देने के लिए कहा। उसने कहा कि वह ऐसा नहीं कर सकती क्योंकि उन्हें कप्तान से अनुमति लेनी होगी। एस भट्टाचार्य ने आगे की घटना की जानकारी देते हुए कहा कि उनके लिए एकमात्र विकल्प प्रथम श्रेणी में जाना था क्योंकि बिजनेस क्लास भरी हुई थी। फ्लाइट क्रू ने सीट को साफ किया और पेशाब की गंध वाली सीट पर कंबल रख दिए। वे आरोपी शंकर मिश्रा की सीट दे सकते थे लेकिन उन्होंने महिला यात्री को शांत करने के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि पायलट-इन-कमांड ने अपनी ड्यूटी निभाई होगी। वह आराम कर रहे थे। मुझे बताया गया कि महिला की सीट उससे बात करने के बाद ही बदली जा सकती है। यह एक अपराध था। अधिकारियों तक इसकी शिकायत करना उनका काम था।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास दो आतंकवादी ढेर : सेना

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सेना ने भारी हथियारों से लैस दो आतंकवादियों को मार गिराया और पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। एक रक्षा प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा कि शनिवार शाम बालाकोट सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया गया और व्यापक तलाशी अभियान अब भी जारी है। उन्होंने कहा, ''शाम करीब पौने आठ बजे (शनिवार), बालाकोट में सीमा पर लगी बाड़ के पास तैनात भारतीय सेना के सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और फिर दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। इलाके की घेराबंदी की गई है और अभियान जारी है।'' अधिकारियों ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों के पास से दो एके राइफल और एक शक्तिशाली आईईडी सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद मिला। उन्होंने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। राजौरी जिले में धंगरी गांव पर आतंकवादियों के हमला करने और सात आम नागरिकों की हत्या करने तथा 14 अन्य को घायल करने की घटना के महज एक सप्ताह बाद बालाकोट सेक्टर में यह सफल अभियान हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि सैनिकों ने शनिवार देर शाम बालाकोट सेक्टर में संदिग्ध गतिविधि देखी और गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि रविवार को दिन के उजाले में तलाशी अभियान शुरू किया गया जिसमें दो आतंकवादियों के शव और हथियार एवं गोला-बारूद मिला।

टीवी की बीमारी के लिए टीका तैयार

नागपुर । पुणे स्थित सिरम इंस्टीट्यूट ने एक टीका तैयार किया है। चेन्नई में इस वैक्सीन का परीक्षण चल रहा है। परीक्षण में सफल होने के बाद यह डोज टीके के रूप में सारे देश में उपलब्ध होगी। भारतीय विज्ञान कांग्रेस में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ शेखर सी मांडे ने यह जानकारी दी। डॉ शेखर ने कहा कि अमेरिका और पश्चिमी देशों में टीवी से बचाव के लिए अभी बीसीजी का टीका लगाया जाता है। यह टीका बच्चों के लिए मुफीद साबित हुआ है। भारत में बीसीजी का टीका बच्चों के लिए मुफीद पाया गया है।

हिमाचल, उत्तराखंड के ज्यादातर इलाकों से ज्यादा ठंडी रही दिल्ली, रविवार के लिए ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में शनिवार को गलन भरी शीतलहर का प्रकोप रहा और राजधानी के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के अधिकांश स्थानों तथा जम्मू-कश्मीर के कुछ पर्यटन स्थलों की तुलना में भी कम है। गलन भरी शीतलहर के कारण मध्य दिल्ली के रिज मौसम केंद्र में न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया।

राजस्थान में वनस्थली (1.7 डिग्री सेल्सियस), सीकर (एक डिग्री सेल्सियस), पिलानी (0.6 डिग्री सेल्सियस) और चुरू (0 डिग्री सेल्सियस) सहित केवल कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान औसत से काफी कम दर्ज किया गया। लोधी रोड और आयानगर मौसम केंद्रों में न्यूनतम तापमान क्रमशः दो डिग्री सेल्सियस तथा 3.4 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तर-पश्चिमी भारत और देश के मध्य तथा पूर्वी हिस्सों में कोहरे की घनी चादर छाई रही, जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हुआ। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे के पास पालम वेधशाला में घने कोहरे के कारण दृश्यता 25 मीटर तक कम हो गई।

उत्तर रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि कोहरे की स्थिति के कारण 36 ट्रेन एक घंटे से लेकर सात घंटे की देरी से चल रही हैं। मौसम कार्यालय के अनुसार, दृश्यता जब शून्य और 50 मीटर के बीच रह जाती है तो उस समय 'बहुत घना' कोहरा होता है। वहीं, 51 और 200 मीटर के बीच दृश्यता की स्थिति में 'घना', 201 और 500 मीटर के बीच 'मध्यम' और 501 तथा 1,000 मीटर के बीच दृश्यता की स्थिति में 'हल्का' कोहरा होता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक दिल्ली में न्यूनतम तापमान चंबा (5.8 डिग्री), डलहौजी (8.3 डिग्री), धर्मशाला (9.2 डिग्री), शिमला (7.8 डिग्री), हमीरपुर (3.9 डिग्री), मनाली (4 डिग्री) से अधिक ठंडा रहा।

डिग्री), कांगड़ा (5.6 डिग्री), सोलन (3 डिग्री), देहरादून (6 डिग्री), मसूरी (8.1 डिग्री) और नैनीताल (5.8 डिग्री) से भी कम दर्ज किया गया। राजधानी में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से सात डिग्री कम दर्ज किया गया, जिससे शनिवार का दिन कड़ाके की ठंड वाला दिन रहा। आईएमडी ने कुछ स्थानों पर कृषि, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र पर प्रभाव की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने एक परामर्श जारी कर लोगों को पर्याप्त प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां खाने तथा पर्याप्त गर्म तरल पदार्थ पीने की सलाह दी हैं। इसके अलावा बाहरी गतिविधियों से बचने की सलाह दी गयी है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए दिल्ली सहित उत्तर भारत के कुछ हिस्सों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि घना कोहरा, ठंड और शीत लहर की स्थिति बनी रहेगी।

टीएमसी के विधायक ने अपनी पार्टी को 'कंपनी' और ममता बनर्जी को 'ब्रांड' बताया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक विधायक ने शनिवार को अपनी पार्टी को एक कंपनी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ब्रांड कहकर विवाद खड़ा कर दिया। टीएमसी विधायक के इस बयान पर भाजपा नेताओं ने चुटकी लेते हुए कहा कि उन्होंने 'सच बोला' जबकि टीएमसी ने अपने विधायक की टिप्पणी का बचाव किया और कहा कि उन्होंने अनुचित शब्दों का चयन किया, लेकिन उनकी नीयत गलत नहीं थी। हावड़ा उत्तर से विधायक गौतम चौधरी ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'दीदी (बनर्जी का लोकप्रिय नाम) वह ब्रांड है जिसकी कोई बराबरी नहीं कर सकता।'

चौधरी ने कहा, 'टीएमसी एक कंपनी है जिसकी ब्रांड हमारी नेता, हमारी दीदी, ममता बनर्जी है।' वह 'दीदिर सुरक्षा कवच' संपर्क कार्यक्रम को लेकर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मौजूद टीएमसी नेताओं में शामिल थे, और बता रहे थे कि बनर्जी ने किस तरह कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया। चौधरी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा की राज्य इकाई के प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा, 'हर कोई जानता है कि ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ही टीएमसी में सबकुछ हैं। किसी और की आवाज तक नहीं निकलती। चौधरी ने अनजाने में एक बार फिर सच्चाई बयां की है।'

हालांकि टीएमसी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, 'चौधरी ममता बनर्जी की लोकप्रियता के बारे में बात करना चाहते थे, लेकिन उनके शब्दों का चुनाव उचित नहीं था। उन्हें आगाह करते हुए भविष्य में बोलते समय अधिक सावधान रहने के लिए कहा गया है।' नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी पहले कई मौकों पर टीएमसी को एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी और ममता बनर्जी व अभिषेक बनर्जी को क्रमशः इसका निदेशक और प्रबंध निदेशक कह चुके हैं।

पढ़ाई के लिए विदेश गए भारतीय छात्रों के लिए आवास के अलावा महंगे खान-पान ने बढ़ाई मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन ने भले ही इस वर्ष सबसे अधिक संख्या में भारतीयों को छात्र वीजा जारी किए हों लेकिन बढ़ती महंगाई के कारण अंतरराष्ट्रीय छात्रों को उन शहरों में आवास ढूंढना मुश्किल हो गया है जहां उनके कॉलेज स्थित हैं। छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार विदेश में अध्ययन करना उन छात्रों के लिए मुश्किल हो गया है जो अभी-अभी ब्रिटेन गए हैं। यह किसी दुःस्वप्न से कम नहीं है। एक ऐसा देश जो उनके लिए पूरी तरह से अनजान है वहां सिर पर छत नहीं मिल पाना इन छात्रों के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं है। उनका संकट केवल सस्ता आवास खोजने तक ही सीमित नहीं है बल्कि लगातार बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति भी उनके लिए चुनौती है जिससे उनके दैनिक खर्चों में वृद्धि हुई है।

ब्रिटेन में महंगाई 2022 में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। सितंबर 2022 तक के 12 महीनों में मकान मालिक किराया समेत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआईएच) 8.8 प्रतिशत बढ़ गया। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा नवंबर के आंकड़ों के अनुसार मुद्रास्फीति की दर 9.3 प्रतिशत पर पहुंच गई। ब्रिटिश उच्चायोग के आंकड़ों के अनुसार ब्रिटेन में प्रायोजित अध्ययन वीजा जारी करने वाले देश के रूप में भारत चीन से आगे निकल गया है। सितंबर 2022 में समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीयों को सबसे अधिक 1.27 लाख छात्र वीजा प्राप्त हुए। लंदन के गोल्डस्मिथ विश्वविद्यालय में प्रशासन एवं सांस्कृतिक नीति में पढ़ाई के लिए तीन महीने पहले ब्रिटेन गईं चयनिका दुबे ने कहा पिछले साल एक अक्टूबर से 21 अक्टूबर के बीच मुझे घर तलाशने में 'एयरबन्स' पर करीब एक लाख रुपये खर्च करना पड़ा।

संजय राउत का बयान– जनवरी में गिर जाएगी शिंदे की सरकार

–शिंदे गुट ने कहा– राउत अब होश में नहीं

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे और भाजपा के गठबंधन की सरकार जनवरी के अंत तक गिर जाएगी। उन्होंने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट शिंदे गुट के 16 विधायकों को अयोग्य घोषित कर देगा। इसके बाद गठबंधन अल्पमत में आ जाएगा। 16 विधायकों में शिंदे भी शामिल हैं। शिंदे गुट के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली ठाकरे गुट की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 13 जनवरी को सुनवाई होनी है। वहीं सीएम एकनाथ शिंदे गुट ने कहा कि संजय राउत अब होश में नहीं हैं। संजय राउत ने आगे कहा यह कि सरकार फरवरी का महीना नहीं देख पाएगी। मेरी बात मान लीजिए यह सरकार वेंटिलेटर सपोर्ट पर है। जिस दिन सुप्रीम कोर्ट फैसला सुनाएगा उसी दिन सरकार गिर जाएगी।

शिंदे की सरकार का गिरना पहले से ही था तयः राउत

संजय राउत ने दावा किया कि शिंदे की सरकार का गिरना पहले से ही तय था। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि यह होने जा रहा है। वे इसे टालकर कुछ और समय निकालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वह संवैधानिक प्रावधानों के तहत ऐसा दावा कर रहे हैं। भाजपा और शिंदे समूह ने उनके इस बयान को पब्लिसिटी स्टंट करार दिया है। मुंबई भाजपा के मुखिया आशीष शेलार ने कहा कि बयानबाजी की उनकी आदत है। मुझे लगता है कि राउत को सामना के कार्यालय में बैठकर संविधान को फिर से लिखना चाहिए। उन्हें इस बेकार की कवायद को बंद करना चाहिए।

संजय राउत ने अपना मानसिक संतुलन खो दियाः शिंदे गुट

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट ने दावा किया कि राउत अब होश में नहीं हैं। विधायक संजय शिरसाट ने कहा कि मुझे लगता है कि तीन महीने जेल में बिताने के बाद संजय राउत ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है। मैं उनसे कुछ इलाज करने का अनुरोध करूंगा। उनके बेतुके बयानों के कारण अब हमें सिरदर्द हो रहा है। उन्हें सुनने के बाद हमें सिरदर्द की गोली खाने का मन करता है।

भाजपा 'गंगा' की तरह है, पाप से मुक्ति पाने के लिए इसमें डुबकी लगाएं: माणिक साहा

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने वामपंथी नेताओं से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की अपील करते हुए रविवार को कहा कि उनकी पार्टी गंगा नदी की तरह है और इसमें डुबकी लगाने से उन्हें सभी पापों से मुक्ति मिल जाएगी। दक्षिण त्रिपुरा के काकराबान में जन विश्वास रैली के तहत एक जनसभा को संबोधित करते हुए साहा ने कहा कि भाजपा इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत को लेकर आश्वस्त है। उन्होंने कहा, 'मैं उन लोगों से अपील करता हूं जो अब भी स्टालिन और लेनिन की विचारधारा में विश्वास करते हैं, वे भाजपा में शामिल हों क्योंकि यह

गंगा नदी की तरह है। यदि आप गंगा में पवित्र स्नान करते हैं तो आपके सभी पाप दूर हो जाएंगे।'

उन्होंने कहा, 'ट्रेन के डिब्बे अभी भी खाली हैं। खाली डिब्बे में बैठें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हम सभी को मंजिल तक ले जाएंगे, जहां हमें होना चाहिए था।' विपक्षी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर निशाना साधते हुए साहा ने आरोप लगाया कि कम्युनिस्ट पार्टी ने लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन किया और वर्षों तक त्रिपुरा पर शासन किया। उन्होंने आरोप लगाया, 'कम्युनिस्ट शासन के दौरान कोई लोकतंत्र नहीं था क्योंकि वे हिंसा और आतंक की रणनीति में विश्वास करते थे। दक्षिण त्रिपुरा जिले में, वामपंथी शासन के दौरान 69 विपक्षी नेताओं की हत्या कर दी गई थी। काकराबान कोई अपवाद नहीं था जहां कई राजनीतिक हत्याएं हुईं।

युवा मस्तिष्कों की ऊर्जा देश को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है: निर्मला सीतारमण

कोटा (एजेंसी) । केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि युवा मस्तिष्कों की ऊर्जा ही देश को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। सीतारमण ने यह भी कहा कि देश में अब एक ऐसा नेतृत्व है, जो भ्रष्ट नहीं है और लोगों की भलाई के लिए काम करता है। उन्होंने कहा, ÷यह बहुत उत्साहवर्द्धक है। मैं ऐसे युवा मस्तिष्कों की उपस्थिति से बहुत प्रभावित हूं। जब आपके पास ऐसी ऊर्जा होती है तो यह बहुत प्रेरणा देती है। यह वह ऊर्जा है जो भारत को आगे बढ़ाती है।'

निर्मला सीतारमण यहां 'युवा शक्ति संवाद' को संबोधित कर रही थीं। केंद्रीय मंत्री ने युवाओं से उन लोगों को स्मरण करने का आग्रह किया जिन्होंने देश और उन सशस्त्र बलों के लिए लड़ाई लड़ी, जो किसी भी बाहरी आक्रमण को विफल करने के लिए सीना ताने खड़े हैं। उन्होंने कहा कि विकसित राष्ट्रों के संघ का सदस्य बनने के लिए भ्रष्टाचार मुक्त नेतृत्व महत्वपूर्ण है।

दिल्ली की सर्दी में फिर चढ़ा सियासी पारा, केजरीवाल के एलजी को लिखे पत्र के बाद दोनों आमने सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हज कमेटी के गठन को लेकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखा है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि इस बार पर चुप्पी साधी गई है आप चुनी हुई सरकार को दरकिनार कर सीधे हज कमेटी का गठन कैसे कर सकते हैं? अरविंद केजरीवाल ने पत्र में उपराज्यपाल से सीधे जवाब मांगा है।

उन्होंने लिखा कि मुझे आपके कार्यालय द्वारा जारी बयान से पता चला कि डीएमसी अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रशासक नियुक्ति करने का अधिकार रखता है। दिल्ली में एल्डरमैन की नियुक्ति के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि आपने 10 एल्डरमैन और दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति की। इस निर्णय को अधिसूचित करने से पहले चुनी गई सरकार को भी जानकारी नहीं दी गई।

उन्होंने पूछा की क्या वो चुनी हुई सरकार को दरकिनार कर अब खुद दिल्ली सरकार चलाएंगे? बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने ट्विटर पर एलजी को लिखे पत्र को साझा भी किया है। इस पत्र में केजरीवाल ने कहा कि कहीं भी किसी भी कानून या संविधान में यह लिखा है कि उपराज्यपाल या प्रशासक या जहां भी सरकार को प्रशासक के तौर पर परिभाषित किया गया है वहां सब कार्य उपराज्यपाल निर्वाचित सरकार की अनदेखी करते हुए करेंगे?

केजरीवाल ने लिखा कि अगर ऐसा होता है तो दिल्ली की चुनी हुई सरकार अप्रसांगिक हो जाएगी। व्यावहारिक तौर पर हर कानून, प्रावधान में उपराज्यपाल या प्रशासक का जिक्र किया जाता है। मंत्रिपरिषद भी प्रशासक के नाम पर ही काम करती है। उन्होंने केंद्र सरकार को भी अप्रसांगिक करार देते हुए कहा कि अगर इसी तरह से व्यवहार होना है तो भारत के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री अप्रासंगिक होंगे क्योंकि संविधान में राष्ट्रपति और राज्यपाल शब्द का उपयोग होता है न कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का। इस मामले में अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल से जवाब मांगा है।

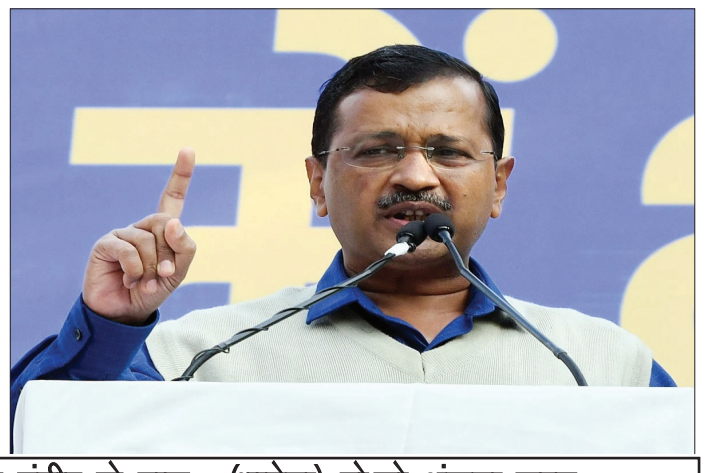

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई